हरिभूमि
रायपुर भूमि

मरकर भी सुकून नहीं, दफनाने के लिए जगह कम पड़ रही इसलिए छह लावारिस लाशें मुर्दाघर से बाहर नहीं आ पा रहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सरकारी तंत्र की लापरवाही के कारण कब्र में चिर निद्रा में सोए मुर्दों को भी सुकून नहीं मिल रहा। बात लावारिस लाशों की है, जिनको दफनाने डेढ़ दशक में जोरा में महज डेढ़ एकड़ जमीन मिली है। नई बॉडी दफनाने जगह नहीं है। इसके चलते छह लाश जिनका पोस्टमार्टम हो गया है, कब्र के इंतजार में एम्स तथा आंबेडकर अस्पताल के ▶▶| शेष पेज 13 पर

अंतिम संस्कार की लाइन में छह लाशें मुर्दाघर में

जमीर अली के अनुसार आंबेडकर अस्पताल तथा एम्स अस्पताल की मरचुरी में छह लाशें हैं, जिनका अंतिम संस्कार करना है। जगह की कमी होने की वजह से लाशों का अब तक कफन दफन नहीं किया जा सका है। ▶▶| शेष पेज 13 पर

इसलिए सुरक्षित जगह चाहिए

जिन लावारिस लाशों का अंतिम संस्कार किया जाता है, उन लाशों की पहचान होने पर परिजनों के सुपुर्द करने डीएनए टेस्ट किया जाता है। इसके अलावा संदिग्ध परिस्थिति में मरे ऐसे व्यक्ति जिनकी पहचान नहीं हो पाती, बाद में हत्या या किसी अन्य अपराध से संबंध निकल जाता है, इसलिए उस लाश के डीएनए ▶▶| शेष पेज 13 पर

इसलिए लाश जल्दी नष्ट नहीं होती

अस्पताल की मरचुरी से लाई गई लाश दफनाने के बाद भी जल्दी से नष्ट नहीं होती। इसका कारण शव का प्लास्टिक में लिपटा होना है। प्लास्टिक में लिपटी लाश के मांस तथा चमड़ी को गलने में महीनों लग जाते हैं। प्लास्टिक होने की वजह से हड्डियां दशकों तक सुरक्षित रहती हैं। अफसरों को इन बातों से अवगत कराया गया है। बावजूद इसके अफसरों ने इस पर अब तक किसी भी प्रकार से संज्ञान नहीं लिया है।

इसलिए सुरक्षित जगह चाहिए

जिन लावारिस लाशों का अंतिम संस्कार किया जाता है, उन लाशों की पहचान होने पर परिजनों के सुपुर्द करने डीएनए टेस्ट किया जाता है। इसके अलावा संदिग्ध परिस्थिति में मरे ऐसे व्यक्ति जिनकी पहचान नहीं हो पाती, बाद में हत्या या किसी अन्य अपराध से संबंध निकल जाता है, इसलिए उस लाश के डीएनए से अन्य तरह का मेडिकल परीक्षण करने कब्र खोदकर दोबारा निकालना पड़ता है। इसलिए लावारिश लाशों का कफन दफन करने अलग सुरक्षित जगह की जरूरत पड़ती है।

खबर संक्षेप

रंगदारी वसूलते धरा गया हिस्ट्रीशीटर

रायपुर। कोतवाली पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर को कारोबारियों से नशा करने जबरन वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। नेहरू नगर निवासी वसीम खान को पुलिस ने कारोबारियों को धमकाने तथा अवैध वसूली करने के आरोप में धर दबोचा। वसीम खान बुधवार को फत्तेशाह मार्केट के दुकानदारों से शराब पीने जबरन पैसों की मांग कर रहा था। कारोबारियों द्वारा पैसे देने से इंकार करने पर उनके साथ गाली-गलौज कर धमका रहा था।

प्रेम प्रसंग के चलते चाकू से हमला, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। आजाद चौक पुलिस ने प्रेम प्रसंग तथा आपसी रंजिश के चलते एक युवक को दूसरे युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मौदहापारा निवासी अजय साहू की शिकायत पर पुलिस ने राहुल यादव को पकड़ा है। राहुल ने अजय को आजाद चौक स्थित सिल्लू बाड़ी में बुलाकर उसके साथ विवाद करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया।

गांजा बरामद, ओडिशा का तस्कर पकड़ा गया

रायपुर। गुढ़ियारी पुलिस ने ओडिशा के एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से डेढ़ किलो गांजा जब्त की है। गांजा तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने कुणाल नाइक को गिरफ्तार किया है। कुणाल को पुलिस ने गोंदवारा ओवरब्रिज के नीचे गांजा के साथ धर दबोचा। वह किसी को गांजा डिलीवरी करने आया था, इस दौरान पुलिस ने उसे घेराबंदी कर पकड़ा।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी, फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिया

दसवीं पास डॉक्टर! खुद को पोस्ट आफिस का डायरेक्टर बताकर 52 को लूटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

पुलिस कमिश्नरेट सेंट्रल जोन, सिविल लाइंस थाने की पुलिस ने ठगी करने वाले एक बड़े रैकेट के चार शातिरों को गिरफ्तार किया है। शातिरों ने पोस्ट ऑफिस में नौकरी लगावाने का झांसा देकर 52 बेरोजगार युवक, युवतियों से 2.34 करोड़ रुपए ठगी की है। गिरफ्तार जालसाजों ने माइक्रो फाइनेंस के नाम से दो कंपनी भी रजिस्टर्ड कराई है। जालसाजों के एक अन्य साथी को बालोद पुलिस ने नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

संजय निराला की शिकायत पर पुलिस ने ठगी के मास्टर माइंड मूलतः जांजगीर-चांपा निवासी नरेश मनहरे, हीरा दिवाकर, राकेश रात्रे, सारंगढ़-बिलाईगढ़ निवासी भुनेश्वर बंजारे को गिरफ्तार किया है। चारों आरोपी पंडरी थाना क्षेत्र में किराए के मकान में रह रहे थे। उन्होंने माइक्रो फाइनेंस कंपनी के लिए विधानसभा स्थित अंबुजा मॉल के सामने एश्वर्या बाजार में किराए पर ऑफिस लिया था। वहीं से जालसाज अपनी ठगी की दुकान संचालित कर रहे थे। आरोपियों ने जिन लोगों के ▶▶| शेष पेज 13 पर

40 लाख रुपए देकर दिल्ली से फर्जी डॉक्टर की डिग्री हासिल कर दिल्ली में हेल्थ केयर सेंटर संचालित कर रहा था

दिल्ली यूनिवर्सिटी से फर्जी एमबीबीएस

नरेश के लैपटॉप तथा मोबाइल की जांच करने पर पुलिस को दिल्ली, डीपीयू डाक्टर डीवाय पाटिल विद्यापीठ यूनिर्सिटी के नाम से नरेश मनहरे का एमबीबीएस होने का सर्टिफिकेट मिला है। नरेश के अकाउंट की जांच करने पर डॉक्टर सुप्रिया पाठक के अकाउंट में 40 लाख रुपए ट्रांजेक्शन होना पाया गया है।

ठगी करने खोला था फर्जी ग्राहक सेवा केंद्र

ठगी का मास्टर माइंड नरेश इसके पूर्व कोरोना कॉल के समय सारंगढ़-बिलाइगढ़ जिला में नकली नोट के आरोप में जेल जा चुका है। जेल से छूटने के बाद उस शातिर ने सक्ति जिला के छपोरा गांव में ठगी करने एसबीआई के नाम से ग्राहक सेवा केंद्र खोला था। लोगों को भरोसा दिलाने उसने एसबीआई ▶▶| शेष पेज 13 पर

ठगी करने जालसाजों की भूमिका

- *नरेश मनहरे: साजिश का मास्टर माइंड नरेश फर्जी लेटरहेड, सील और नियुक्ति पत्र तैयार करवाता था। रकम के लेन-देन की निगरानी करता था। आवेदकों को इंटरव्यू और ज्वाइनिंग की झूठी तारीखें बताकर समय निकालता था। आमासिवनी पंडरी क्षेत्र में फर्जी आफिस संचालित कर विश्वास कायम करता था।*
- *भुनेश्वर बंजारे: आवेदकों से नकद और ऑनलाइन माध्यम से रकम इकट्ठी करता था। फर्जी नियुक्ति पत्र प्रिंट करता था। आवेदकों को कॉल कर दस्तावेज जमा कराने और भुगतान की याद दिलाता था।*
- *हीरा दिवाकर : आवेदकों से आधार कार्ड, शैक्षणिक प्रमाणपत्र, फोटो आदि दस्तावेज एकत्र करता था। बैंक खातों के संचालन और लेन-देन में सहयोग करता था।*
- *राकेश रात्रे: दस्तावेजों की छंटाई और रिकार्ड तैयार करने का काम करता था। बैंक खातों के जरिए रकम ट्रांसफर में सहयोग करता था। उसके पास से मोबाइल और बैंक पासबुक जब्त की गई।*

ठगी के तार दिल्ली से लेकर रायपुर तक

नरेश ने राज्य के अलग-अलग जिलों में ठगी की दुकान संचालित करने नेटवर्क खड़ा किया था। पुलिस को नरेश द्वारा दिल्ली में हेल्थ केयर सेंटर संचालित किए जाने की जानकारी मिली है। नरेश ने रायपुर, आमासिवनी में भी हेल्थ केयर सेंटर संचालित करने ऑफिस किराए पर लिया है, लेकिन वहां हेल्थ केयर का ऑफिस शुरू नहीं हो पाया है। नरेश ने गुडलक माइक्रो फाइनेंस कंपनी के नाम से दो जीएसटी रजिस्ट्रेशन करवाया है। एक का ऑफिस अभनपुर में संचालित हो रहा है।

कृषि विवि ने कहा- हमारे पास पैसे नहीं, परीक्षाओं के कारण लगाया ताला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य शासन से मांगी गई है 3.50 करोड़ की राशि
- 18 माह से वेतन नहीं मिलने के कारण हड़ताल पर हैं अधिकारी-कर्मचारी

हरिभूमि फॉलोअप

कृषि विज्ञान केंद्रों के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा जारी हड़ताल को लेकर अंततः कृषि विवि ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। इंदिरा गांधी कृषि विवि का कहना है कि उनके पास पर्याप्त पैसे नहीं हैं। विवि प्रशासन द्वारा राज्य शासन से वित्तीय सहायता का अनुरोध किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य शासन से 3.50 करोड़ की राशि मांगी गई है ताकि पूर्ववत प्रदान किया जा सके। वेतन विसंगतियों के संबंध में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली से भी निरंतर पत्राचार किया जा रहा है। कृषि विवि का कहना है कि कृषि विज्ञान केन्द्र, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से शत-प्रतिशत वित्त पोषित परियोजना है, लेकिन अगस्त 2024 को जारी नए दिशा-निर्देशों के अनुसार कृषि विज्ञान केन्द्रों में पदस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों के वेतन भत्तों में कटौती की गई है। इस कारण कर्मचारियों को पूर्व की तरह वेतन नहीं मिल पा रहा है। वहीं हड़ताल कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों का कहना है कि कृषि विवि और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के मध्य हुए ओएमयू के अनुसार, उन्हें संपूर्ण वेतन कृषि विवि द्वारा प्रदान किया जाना है।

बंद कर दिए थे दरवाजे

छत्तीसगढ़ में 27 कृषि विज्ञान केंद्र संचालित हैं। इन सभी केंद्रों से अधिकारी व कर्मचारी हड़ताल में शामिल होने रायपुर पहुंचे हुए हैं। वे 20 फरवरी तक पांच दिवसीय हड़ताल पर रहेंगे। कृषि विवि के प्रशासनिक भवन में उनके द्वारा धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। हड़ताल के तीसरे दिन विवि प्रशासन ने प्रशासनिक भवन के मुख्य द्वार में ताला लगा दिया था। इस कारण उन्हें बाहर धूप में प्रदर्शन करना पड़ा। इसे लेकर भी हड़ताल कर रहे अधिकारियों-कर्मचारियों ने अपनी नाराजगी जाहिर की थी। इस संदर्भ में भी विवि प्रशासन द्वारा स्पष्टीकरण दिया गया है। विवि का कहना है कि विश्वविद्यालय परिसर में कन्या छात्रावास भी स्थित है। वर्तमान में विद्यार्थियों की परीक्षाएं चल रही हैं। हड़ताल एवं धरना प्रदर्शन से विद्यार्थियों के अध्ययन में व्यवधान उत्पन्न होने के कारण हड़ताली कर्मचारियों को विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन करने से प्रतिबंधित किया गया है।

शराब रिश्वतखोरी मामले में आबकारी उपायुक्त गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एसीबी, ईओडब्लू ने तीन वर्ष पूर्व सीएसएमसीएल से संबद्ध मैन पावर एजेंसी से जुड़ी तीन कंपनियों से 28.8 लाख रुपए रिश्वत लेने के आरोप में एक आबकारी उपायुक्त को गिरफ्तार किया है। आबकारी उपायुक्त को जांच एजेंसी ने प्रवर्तन निदेशालय के प्रतिवेदन पर गिरफ्तार किया है। शराब घोटाले की जांच के दौरान ईडी ने पाया था कि आबकारी उपायुक्त ने मैन पावर एजेंसी को भुगतान करने के एवज में रिश्वत ली है। इसके कारण शासन को 100 करोड़ रुपए की आर्थिक क्षति हुई थी। ईओडब्लू, एसीबी ने सीएसएमसीएल के तत्कालीन उप महाप्रबंधक नवीन प्रताप सिंह तोमर को गिरफ्तार किया है। नवीन प्रताप ने ईगल हंटर सॉल्यूशन लिमिटेड एवं अलर्ट कमांडोज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को भुगतान करने के एवज में रिश्वत ली थी। नवीन प्रताप पर आरोप है कि उसने मैन पावर एजेंसी को षड़यंत्र ▶▶| शेष पेज 13 पर

100 करोड़ का नुकसान

अब तक की विवेचना में सीएसएमसीए द्वारा मैन पावर एजेंसियों को अवैध भुगतान कर शासन को लगभग 100 करोड़ रुपए आर्थिक क्षति कारित किये जाने के प्रमाण प्राप्त हुए हैं। जांच एजेंसी ने नवीन को ईओडब्लू, एसीबी की स्पेशल कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने पुलिस रिमांड हासिल की है।

डीएमएफ घोटाला के आरोप में कारोबारी गिरफ्तार पूछताछ करने 25 तक रिमांड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

करोड़ों के डीएमएफ घोटाला के आरोप में ईओडब्लू, एसीबी की टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कृषि व्यवसाय से जुड़े एक कारोबारी को गिरफ्तार कर ईओडब्लू, एसीबी की कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने छह दिन की रिमांड हासिल की है। कारोबारी पर डीएमएफ घोटाले की राशि मैनेज करने अपने करीबी रिश्तेदार तथा परिचितों के अकाउंट में ट्रांसफर करने का आरोप है।

एसीबी, ईओडब्लू ने लाविस्टा सोसाइटी निवासी सतपाल छाबड़ा को गिरफ्तार कर पूछताछ करने रिमांड पर लिया है। जांच एजेंसी घोटाले की जांच फरवरी 24 से कर रही है। विवेचना में प्राप्त साक्ष्यों एवं दस्तावेजों के आधार पर यह पाया गया कि डीएमएफ फंड से संचालित कृषि अनुदान के कार्यों में नियमों का उल्लंघन करते हुए वित्तीय अनियमितताएं की गईं। जांच में यह भी तथ्य सामने आया है कि छाबड़ा ने सिंडिकेट के साथ मिलकर, आपराधिक षडयंत्र कर कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं निर्धारित ▶▶| शेष पेज 13 पर

कारोबारी पर कमीशन की राशि रिश्तेदार, परिचितों के अकाउंट में ट्रांसफर करने का आरोप

झांसा देकर महिला से 75 हजार की ठगी

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक महिला ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ झांसा देकर 75 हजार रुपए ऑनलाइन ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। लक्ष्मीनगर, प्रिंस कालोनी निवासी जागृति साहू ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। जागृति ने पुलिस को बताया कि बुधवार को अज्ञात जालसाज ने खुद को एलआईसी कर्मचारी बताकर उसके मोबाइल में मैसेज भेजा। जालसाज ने महिला को उसके पति के कहने पर अकाउंट में रकम ट्रांसफर करने का झांसा दिया। जालसाज ने महिला को रिफंड की राशि ज्यादा ट्रांसफर होने का झांसा देकर क्यूआर कोड भेजकर 75 हजार की ठगी की।

वित्त मंत्री का एआई जनरेटेड वीडियो दिखाकर इंश्योरेंस एजेंट से छह लाख रुपए की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- यूके के नंबर से कॉल कर बनाया ठगी का शिकार

टिकरापारा थाना में पेशे से इंश्योरेंस एजेंट ने अज्ञात के खिलाफ केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का फर्जी एआई जनरेटेड वीडियो दिखाकर निवेश करने पर भारी मुनाफा मिलने का झांसा देकर छह लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जालसाज के फेसबुक में एआई जनरेटेड वीडियो देख प्रभावित होकर जालसाजों के जाल में फंसकर ठगी का शिकार हुआ है। छत्तीसगढ़ नगर निवासी पुखराज साहू ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। पुखराज ने पुलिस को बताया है कि पिछले वर्ष सितंबर 2025 में उसने फेसबुक में केंद्रीय वित्त मंत्री का एक वीडियो देखा। वीडियो में केंद्रीय वित्त ▶▶| शेष पेज 13 पर

यूके के नंबर से कॉल: वीडियो रजिस्टर्ड करने के बाद यूके के नंबर से पुखराज के पास किसी अनीष माथुर नामक व्यक्ति ने जो अपने आप को खड़गपुर का निवासी होना बताते हुए संपर्क किया। जालसाज ने पुखराज को वीडियो रजिस्टर्ड करने की बात कहते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री के फर्जी वीडियो का झांसा देकर स्कीम का लाभ के बारे में फर्जी जानकारी दी।

झांसा में लेने के बाद छह लाख ठग लिए

पुखराज को झांसा में लेने के बाद उसके पास यूके के अलग-अलग नंबर से जालसाज संपर्क करते गए और उसे शेयर मार्केट से लेकर अलग-अलग स्कीम के नाम से अपने अकाउंट में रकम ट्रांसफर कराते गए। पुखराज ने पैसे निकालने की कोशिश की, तो उसे गोल्ड में तेजी आने की बात कहते हुए और रकम निवेश करने कहा। पूर्व में की गई निवेश रकम नहीं मिलने पर पुखराज को अपने साथ ठगी होने का अहसास हुआ।

व्याख्याता, प्रधान पाठक सहित भृत्य व चौकीदार के 151 पदों पर भर्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- जिले के स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में रिक्त पदों के लिए अधिसूचना जारी
- आज से प्रारंभ होंगे आवेदन, 20 मार्च तक ऑनलाइन भर सकेंगे फॉर्म

जिले के स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आज से प्रारंभ होंगे। जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा इस संदर्भ में विस्तृत अधिसूचना जारी कर दी गई है। व्याख्याता, प्रधान पाठक से लेकर भृत्य व चौकीदार के रिक्त 151 पदों पर इस प्रक्रिया के माध्यम से नियुक्तियां होंगी। आवेदन तिथि 20 फरवरी से 20 मार्च निर्धारित की गई। आवेदन केवल ऑनलाइन ही किए जा सकेंगे। इसके लिए जिला शिक्षा कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर गूगल फॉर्म का लिंक भी एक्टिवेट कर दिया गया है। जिला शिक्षा कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि ऑफलाइन मोड में आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। कैंडिडेट्स को निर्धारित तिथि में ही आवेदन करने होंगे। सभी भर्तियां संविदा स्तर पर होंगी। पूर्व में भी जिले के स्वामी आत्मानंद विद्यालयों के पद संविदा नियुक्तियों के माध्यम से भरे गए हैं।

इन पदों पर भर्ती

रायपुर जिले के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में व्याख्याता, प्रधान पाठक, कम्प्यूटर शिक्षक, व्यायाम शिक्षक, सहायक शिक्षक, ग्रंथपाल, सहायक ग्रेड-3, भृत्य एवं चौकीदार के संविदा के रिक्त पदों पर इच्छुक आवेदन कर सकते हैं। सभी पदों के लिए योग्यता भिन्न-भिन्न निर्धारित की गई है। आवेदन पश्चात दस्तावेज सत्यापन, साक्षात्कार सहित अन्य प्रक्रिया प्रारंभ की जाएंगी। इसके लिए पृथक शेड्यूल जारी होगा। अंदरूनी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, चयनित आवेदकों को नवीन शैक्षणिक सत्र से नियुक्तियां प्रदान की जाएंगी। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के शुरुआती माह से ही भर्ती के लिए प्रयास किए जा रहे थे, अनुमति सहित अन्य कार्यों में विलंब के कारण सत्र के अंत में आवेदन मंगाए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत एम्स में किया उपचार

आंगनबाड़ी में पता चला- बच्चा सुन नहीं सकता एम्स में ऐसे तीन बच्चों का ऑपरेशन सफल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- सफल कॉक्लियर इंप्लांट के उपरांत अब तीक्षिका स्वस्थ

सक्ति जिले के जैजैपुर विकासखंड में आने वाले ग्राम हसौद की तीक्षिका साहू जन्मजात बधिर थी। उनके माता-पिता इसे लेकर आशंकित थे, लेकिन चीजें पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं थी। इसकी पुष्टि आंगनबाड़ी स्तर पर स्क्रीनिंग के दौरान हुई। इसके बाद जैजैपुर से प्रकरण को उच्च संस्थान में रेफर किया गया। बालिका का एम्स में उपचार हुआ। सफल कॉक्लियर इंप्लांट के उपरांत अब तीक्षिका स्वस्थ है। सुनने में असक्षम होने के कारण वह बोल भी नहीं सकती थी। चूंकि अब श्रवण क्षमता आ गई है, इसिलए स्पीच थेरेपी शुरू की जाएगी। एम्स में सुनने में असक्षम ऐसे तीन बच्चों का उपचार फरवरी माह में किया गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम चिरायु के अंतर्गत यह उपचार किया गया।

कवर्धा और कोरबा से भी रेफर हुए बच्चे

कबीरधाम जिले के ग्राम चिलमखोदरा निवासी धैर्य मरकाम तथा कोरबा जिले के बालको क्षेत्र निवासी ढाई वर्षीय नक्ष कोशले की श्रवण समस्या का पता भी प्रारंभिक जांच के दौरान चला। इन्हें भी एम्स रेफर किया गया था। एम्स प्रबंधन ने कहा, इन तीनों मामलों में यह स्पष्ट हुआ है कि यदि समय रहते जांच, परामर्श और उपचार उपलब्ध हो तो जन्मजात श्रवण बाधा जैसी गंभीर समस्या का भी प्रभावी समाधान संभव है। विशेषज्ञों का कहना है कि कॉक्लियर इंप्लांट जैसी जटिल और महंगी सर्जरी सामान्य परिवारों के लिए अत्यंत कठिन होती है। आंगनबाड़ी स्तर पर स्क्रीनिंग के बाद जिला स्तरीय चिकित्सा परीक्षण कर सुपर स्पेशियलिटी संस्थान में इस तरह की सर्जरी कराई जा सकती है।

खबर संक्षेप

5 कुंडीय गायत्री महायज्ञ आज से ग्राम कुकरा में

आरंग। भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष (1926–2026) के उपलक्ष्य में ग्राम कुकरा (लखौली) स्थित बाजार चौक, गायत्री मंदिर परिसर में 20 से 22 फरवरी तक तीन दिवसीय 5 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रथम दिवस 20 फरवरी (शुक्रवार) को दोपहर 2 बजे से मंगल कलश एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी। द्वितीय दिवस 21 फरवरी को प्रातः 6 बजे सामूहिक उपासना, ध्यान एवं प्रज्ञायोग व्यायाम होगा। इसके पश्चात प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक 5 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं विविध संस्कार सम्पन्न होंगे। दोपहर बाद प्रज्ञा पुराण कथा एवं दीप महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। तृतीय दिवस 22 फरवरी को भी प्रातःकालीन साधना के साथ यज्ञ एवं संस्कार कार्यक्रम आयोजित होंगे तथा पूर्णाहुति के साथ टोली की विदाई होगी।

अवैध कब्जा को हटाने कुकरा पंचायत ने मांगी पुलिस सेवी

आरंग। आरंग विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कुकरा के पंचायत प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक, रायपुर (ग्रामीण) को आवेदन प्रेषित कर लंबे समय से लंबित अवैध बेजा कब्जा हटाने आवश्यक पुलिस बल उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि प्रस्तावित राजस्व कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जा सके।विदित हो कि 29 जनवरी 2026 को नायब तहसीलदार की उपस्थिति में अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई प्रारंभ की गई थी, किंतु किन्हीं कारणों से उसे बीच में ही स्थगित करना पड़ा। इसके बाद 2 फरवरी 2026 को पुनः तिथि निर्धारित की गई, परंतु उस दिन पुलिस बल की अनुपस्थिति के कारण कार्रवाई फिर टाल दी गई। अधिकारियों द्वारा पुलिस बल उपलब्ध होते ही कार्रवाई पूर्ण कराने का आश्वासन दिया गया था।ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि लगातार हो रही देरी से अवैध कब्जाधारियों के हौसले बढ़ रहे हैं। पंचायत एवं प्रशासन के विरुद्ध अभद्र टिप्पणियाँ की जा रही हैं, जिससे गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनने की आशंका व्यक्त की जा रही है।पंचायत पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाते हुए शीघ्र पुलिस बल उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई सुचारु एवं शांतिपूर्ण ढंग से पूरी की जा सके।

पांच जुम्मे आएंगे पहला आज,12 साल बाद फरवरी में रोजे

माहे रमजान में मस्जिदों की आकर्षक सजावट और बाजारों में उमड़ी भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तिल्दा नेवरा

चांद दिखने के साथ ही रमजान का पवित्र माह- ए -रमजान का आगाज गुरुवार से हो गया। इसके साथ ही मस्जिदों में तरावीह की नमाज का दौर शुरू हो गया। रमजान का चांद इस्लामिक कैलेंडर के शाबान महीने की 29वीं या तीसवीं शाम को देखा जाता है, इसके बाद पवित्र रमजान का महीना शुरू हो जाता है। रमजान इस्लामी हिजरी कैलेंडर का नौवां महीना होता है ,जो 29 या 30 दोनों का होता है और इसमें रोजेदार पूरे महीने रोजा रखते हैं। मक्का मदीना में रमजान का चांद 17 फरवरी को दिखाई देने पर बुधवार को वहां पहला रोजा रखा गया ।रमजान के आगाज के साथ मुस्लिम समुदाय के लोगों ने गुरुवार को अल सुबह रोजेदारों ने खुदा से रोजा कबूल करने की दुआ करते हुए पहला रोजा रखा। इस बार रोज में पांच जुम्मे आएंगे। पहला जुम्मा आज है। जुम्मे की नमाज का महत्व आम दिनों की तुलना में अधिक माना जाता है।

रमजान के इस पवित्र महीने में,सभी मुसलमान पूरे महीने बहुत पवित्र तरीके से रोजा रखते हैं. शाम को इफ्तार किया जाता है. रोजा रमजान के त्योहार का एक अहम हिस्सा है। पूरे महीने सूर्योदय से सूर्यास्त तक कड़ा रोजा रखा जाता है। रोजे से सेल्फ-कंट्रोल और डिसिप्लिन बढ़ता है. रमजान के महीने में जकात भी दी जाती है, जिसका मतलब है अपनी दौलत का एक हिस्सा गरीबों को दान करना. मुसलमान रमजान के त्योहार के दौरान इफ्तार दावत को भी एक जरूरी परंपरा मानते हैं।

हर वर्ष लगभग 10 से 11 दिन पहले आते हैं

इस्लामी कैलेंडर के अनुसार रमजान हर वर्ष लगभग 10 से 11 दिन पहले आते हैं ।12 साल बाद इस बार फिर रमजान का माह फरवरी में आया है। इससे पहले वर्ष 2014 में रमजान फरवरी में आया था। फरवरी में रोजा पडने से सहरी और इफ्तार के बीच का समय अपेक्षाकृत कम रहेगा। जिससे रोजेदारों को शारीरिक रूप से सहूलियत भी मिलेगी। इस माह के अंत तक रोजि की अवधि 13 से 14 घंटे तक पहुंच जाएगी।

जुम्मे की नमाज का खास महत्व

रोजा में इस बार पांच जुम्मे भी आएंगे रमजान माह में जुम्मे की नमाज का महत्व आम दिनों की तुलना में अधिक माना जाता है। इस बार जुम्मा दूसरे रोज, फिर 9वें 16वे 23 वें और 30 वें रोजे के दिन रहेगा।

इस्लाम में रोज रखना फर्ज

मौलवी रजा साहब ने कहा कि इस्लाम में रोज रखना फर्ज फरमाया है ।इस्लाम के पांच प्रमुख स्तंभ में शहादा ,ईमान की गवाही। पांच वक्त की नमाज पढ़ना,जकात देना, रोजा रखना, और आर्थिक रूप से सक्षम होने पर हज यात्रा करना फर्ज माना है। इस्लाम को मानने वाला हर शख्स जो बालिक हो और बीमार ना हो रोजा रखना उसका फर्ज है। रमजान का आज पहला जुम्मा है आज मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की जाएगी। माह रमजान के आगाज के साथ ही इफ्तिखार परियों का दौर शुरू हो गया है। मौलवी ने बताया कि 5 साल से रमजान का आगाज अप्रैल में व जून में हो रहा था जो की भीषण गर्मी का सीजन है। इस बार सर्दी की विदाई और गर्मी की शुरुआत पर रोज शुरू हो रहे हैं। रोजेदारों के लिए ना ज्यादा ठंड रहेगी ना भीषण गर्मी।

गुमटी नुमा होटल में लगाई आग बुजुर्ग झुलसा, आरोपी की तलाश

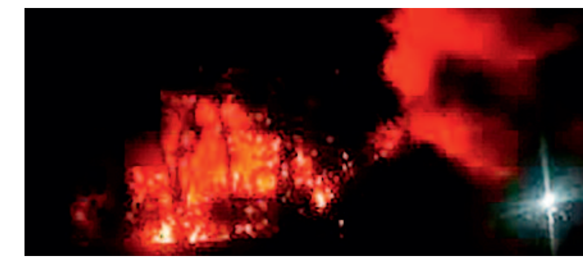

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तिल्दा नेवरा

तिल्दा नेवरा -छत्तीसगढ़ के तिल्दा नेवरा में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है । यहाँ गुमटी नुमा (होटल) में आग लगने से होटल के अंदर सोया एक बुजुर्ग जिंदा जलकर बुरी तरह से झुलस गया, प्राथमिक उपचार के बाद उसे रायपुर रेफर किया गया है । बीती आधी रात के बाद लगी आग इतनी भवायह थी की पल भर में होटल की गुमटी आग की भेंट चढ़ गई और पूरा रोज़गार राख हो गया । आग किसने लगाई अभी स्पष्ट नही पाया है । कहा जा रहा है की आगजनि की वारदात को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अंजाम दिया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है । जानकारी के मुताबिक वार्ड 22 में स्थित इस होटल का संचालन एक महिला के द्वरा किया जाता है । रात को रोज की तरह गुमटी नुमा होटल में 55 वर्षीय रमेश दुबे सोया हुआ था. आधी रात बाद कोई अज्ञात व्यक्ति आया और होटल में आग लगाकर भाग गया.देखते ही देखते आग भभक गई आग में होटल और अंदर में रखा पूरा सामान जलकर रख हो गया। वही होटल के अंदर सोया रमेश दुबे आग की चपेट में आकर जिन्दा जलकर गंभीर रूप से झुलस गया। .हलाकि जलने के बबाद भी वह किसी तरह से जान बचाकर होटल से बाहर आ गया और बचने की लिए गुहार लगता रहा लोगो ने मौके पर पहुंच कर पुलिस और 108 एम्बुलेस को सूचना देकर बुलाया. उसे तत्काल सामुदायिक केंद्र ले जाया गया जहा प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए रायपुर रेफर किया गया । पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

■ गुमटी में सोया बुजुर्ग की हालत गंभीर, रायपुर किया रेफर

नेत्रदान में तत्परता के लिए स्वास्थ्य टीम का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आरंग

भिलाई निवासी 80 वर्षीय स्व.अर्जुन लाल साहू के सफलता पूर्वक नेत्रदान कराने पर मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी मिथलेश चौधरी ने आरंग के नेत्र सहायक चिकित्सक टीम की जमकर सराहना किए। उन्होंने गुरूवार को रायपुर में आयोजित मासिक बैठक में ग्रामीण क्षेत्र में नेत्रदान की पहल और आरंग टीम द्वारा तत्परता पूर्वक समय में सफलता पूर्वक नेत्रदान कराए जाने पर नेत्र सहायक अधिकारी एस पी देवांगन, आर पी यादव, सालिक नौरंगे अन्नपूर्णा वर्मा और डाक्टर रामनारायण दास को प्रशस्ति और गुलदस्ता भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही लोगों को नेत्रदान की प्रक्रिया में असुविधा न हो इसके लिए सीएमएचओ चौधरी ने नेत्रदान संबंधी सभी उपकरण सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आरंग में उपलब्ध कराने की बात कहा।नेत्र सहायक अधिकारी अन्नपूर्णा वर्मा ने बताया नेत्रदान मृत्युपरांत महज छः घंटे के भीतर करना होता है। अधिकतर परिजन मृत्यु पश्चात देर बाद इसकी सूचना दे पाते हैं। ऐसे में समय में नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी करना चुनौती भरा कार्य होता है। आरंग क्षेत्र में लंबे अंतराल पश्चात कोई 80 वर्ष के बुजुर्ग ने नेत्रदान कर एक मिसाल पेश किए हैं। नेत्रदान में अर्जुन के परिवार और ग्रामीणो का भरपूर सहयोग रहा। वहीं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथलेश चौधरी एवं नोडल अधिकारी अंधत्व डॉ समता रंगारी, बीएमओ विजय लक्ष्मी अनंत सहित डाक्टरों, कर्मचारी अधिकारियों ने नेत्र सहायक अधिकारियो की टीम को बधाई दिए हैं।

बालक प्रशा को मिला टीवी व साउंड सिस्टम

आरंग। स्थानीय शासकीय बालक प्राथमिक शाला, सदर रोड आरंग में बच्चों की पढ़ाई को आधुनिक और रुचिकर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। स्व. इंदिरा द्वारकानी सेवा प्रकल्प के संस्थापक प्रहलाद दास द्वारकानी (सेवानिवृत्त प्राचार्य) के सौजन्य से शाला को स्मार्ट क्लास वर्क हेतु एक बड़ी एलईडी टीवी और साउंड सिस्टम भेंट किया गया है। इस अवसर पर द्वारकानी परिवार ने कहा कि आज के इस तकनीकी युग में सरकारी स्कूलों के बच्चे भी स्मार्ट पढ़ाई कर सकें, यही दान का भाव है। इस पुनीत कार्य हेतु शाला की प्रधान पाठिका जया वर्मा एवं स्टाफ सोनल मिश्रा, पवन कुमार साहू, केसरी ढीढी, रोशनी प्रधान, पिंकी गुप्ता एवं बच्चों ने द्वारकानी परिवार का हृदय से आभार व्यक्त किया। मैडम वर्मा ने कहा कि, "इस आधुनिक उपकरण से बच्चों की सीखने की क्षमता बढ़ेगी और वे खेल-खेल में डिजिटल शिक्षा से जुड़ सकेंगे। द्वारकानी परिवार का यह सहयोग शाला के लिए अमूल्य है।" इस अवसर पर श्रीमती शिवा, राम, कर्णीका द्वारकानी उपस्थित थे।

सतनाम पदयात्रा में भाजपा नेता नितिन का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धरसीवां

संत शिरोमणि बाबा गुरु घासीदास जी के पावन संदेश 'मनखे-मनखे एक समान' को जन-जन तक पहुँचाने और छत्तीसगढ़ की सुख-शांति व समृद्धि की कामना के साथ निकाली जा रही 'जय सतनाम पदयात्रा' आज श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुई। धर्मगुरु एवं प्रदेश शासन के मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के नेतृत्व में निकाली जा रही इस यात्रा में आज रायपुर से खरोरा के मध्य भाजपा के युवा नेता नितिन गौरीशंकर अग्रवाल अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ शामिल हुए।

रायपुर से खरोरा के बीच पदयात्रा का मार्ग भक्तिमय नजर आया, जहाँ गाँव-गाँव में ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा और जयकारों के साथ यात्रा का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल के पुत्र नितिन अग्रवाल ने धर्मगुरु खुशवंत साहेब का भव्य स्वागत कर उनका अभिनंदन किया। नितिन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ की खुशहाली के लिए शुरू की गई इस यात्रा हेतु गुरु खुशवंत साहेब के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। मीडिया से चर्चा करते हुए नितिन गौरीशंकर अग्रवाल ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी का 'मनखे-मनखे एक समान' का संदेश न केवल समाज को जोड़ने का सूत्र है, बल्कि इसी विचारधारा से भारत की एकता और अखंडता और अधिक मजबूत होगी।

परंपरागत होली पर आधुनिकता है हावी, नगाड़ों की थाप गायब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आरंग

रंगों के पर्व होली के आगमन से लगभग एक माह पूर्व गांवों में रात के सन्नाटे को चीरती नगाड़ों की गूंज और होलिका गीतों की स्वर-लहरियां कभी सामान्य दृश्य हुआ करती थीं, लेकिन इस बार यह परंपरा लगभग गायब नजर आ रही है। ग्रामीण अंचलों में वर्षों से चली आ रही यह सांस्कृतिक परंपरा अब फीकी पड़ती दिखाई दे रही है। पूर्व वर्षों में होली से एक माह पहले ही गांव के युवक रात्रि भोजन के बाद एक स्थान पर एकत्रित होकर नगाड़ा बजाते, पारंपरिक होलिका गीत गाते और सामूहिक नृत्य करते थे। इन आयोजनों से न केवल उत्सव का माहौल बनता था, बल्कि आपसी भाईचारा और सामाजिक एकजुटता भी मजबूत होती थी। बुजुर्गों का कहना है कि यह परंपरा नई पीढ़ी को लोकसंस्कृति से जोड़ने का माध्यम थी। नगाड़ों की थाप पर गूंजते फाग गीत गांव के वातावरण में उत्साह भर देते थे। लेकिन बदलते समय, आधुनिक मनोरंजन साधनों और युवाओं की व्यस्त जीवनशैली के कारण यह परंपरा धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। ग्रामीणों का मानना है कि यदि समय रहते इन लोक परंपराओं को पुनर्जीवित नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी सांस्कृतिक विरासत से वंचित रह जाएंगी। होली जैसे पारंपरिक पर्व पर नगाड़ों की थाप और सामूहिक गीत-संगीत गांवों की पहचान हुआ करती थी, जिसकी कमी इस बार स्पष्ट रूप से महसूस की जा रही है।

परीक्षा सत्र में माहौल कोशांत रखने की अपील

आरंग। विद्यालयीन परीक्षाओं के दौरान प्रधानपाठक एवं शिक्षकों ने पालकों और जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह समय विद्यार्थियों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए घर व गांव में शांत और अध्ययन अनुकूल वातावरण बनाए रखा जाए। पालकों से टीवी-मोबाइल का सीमित उपयोग, बच्चों को अनावश्यक कार्यक्रमों से दूर रखने, समय पर अध्ययन-विश्राम व पौष्टिक आहार सुनिश्चित करने तथा परीक्षा अवधि में घरेलू कार्यों से मुक्त रखने का आग्रह किया गया है। वहीं ग्रामवासियों से लाउडस्पीकर की आवाज धीमी रखने और रात्रिकालीन शोर-शराबे से परहेज करने की अपील की गई है।

धान की राशि खाते में नहीं पहुंची, किसान हैं परेशान

आरंग। समर्थन मूल्य पर सोसायटियों में धान बेच चुके किसान अब बेचे गए धान की रकम निकालने आरंग सहकारी बैंक शाखा के चक्कर लगाने मजबूर हो गए हैं। बीते माह की तारीख के बाद बेचे गए धान की रकम उनके खातों में नहीं आ रही है तथा केंद्रीय सहकारी बैंक रायपुर से मांग के अनुरूप रकम नहीं आने से किसानों को 50 हजार रुपये से अधिक राशि का भुगतान नहीं हो रहा है। शादी-ब्याह के इस मौसम सहित अन्य कार्यों के लिए राशि की जरूरत होने के बावजूद किसान भटक रहे हैं और उन्हें कोई स्पष्ट आश्वासन नहीं मिलने से उनमें आक्रोश व्याप्त हो रहा है।

स्वास्थ्य अधिकारी ने बच्चों को उपहार देकर मनाया जन्मदिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चंदखुरी

जनपद पंचायत आरंग के अंतर्गत ग्राम सकरी में उप स्वास्थ्य केंद्र संकरी-जावा की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी कुं. जिज्ञासा साहू ने अपने जन्मदिन के अवसर पर एक सराहनीय पहल की। उन्होंने शासकीय प्राथमिक शाला, संकरी के बच्चों को पेन, कॉपी तथा बिस्किट पैकेट वितरित किए। इस अवसर पर बच्चों को हाथीपांव (फाइलेरिया या एलिफेंटियासिस) जैसी गंभीर बीमारी के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। हाथीपांव मच्छरों के काटने से फैलने वाली एक परजीवी बीमारी है, जिसमें पैरों या अन्य अंगों में असामान्य सूजन आ जाती है और त्वचा मोटी व सख्त हो जाती है। जिज्ञासा साहू ने बच्चों को इस रोग से बचाव के उपाय बताए तथा मौके पर ही फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन भी करवाया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने सक्रिय भाग लिया। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता और शिक्षा के प्रति समर्पण का सुंदर उदाहरण है। स्थानीय लोग ऐसी सामाजिक गतिविधियों की सराहना कर रहे हैं।

उप स्वास्थ्य केंद्र की एएनएम श्रीमती पूर्णिमा पटेल ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और शाला परिवार के सभी स्टाफ सदस्यों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम के दौरान स्वस्थ जीवन, नियमित दवा सेवन तथा स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया गया। श्रीमती पटेल ने जिज्ञासा साहू को स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएं देते हुए सभी की ओर से आभार व्यक्त किया।

गोढ़ी बैस समाज का शेखर अध्यक्ष बने

आरंग। बैस भवन गोढ़ी में आयोजित समाज की महत्वपूर्ण बैठक में समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से शेखर बैस को गोढ़ी बैस समाज का अध्यक्ष चुना गया। बैठक में समाज के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, सामाजिक एकता और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने शेखर बैस के नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए उन्हें सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष शेखर बैस ने समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी को साथ लेकर समाज के विकास और उत्थान के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने सामाजिक समरसता, शिक्षा प्रोत्साहन और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

आम सूचना
नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **मदन लाल ध्रुव पिता- श्री बहुर सिंग ध्रुव आयु-58 वर्ष निवासी-बांसटाल, खल्लारी चौक, रायपुरा, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)** का निवासी हूँ पूर्व में मेरी पुत्री का नाम **जागृति सिंग ध्रुव (JAGRUTI SING DHRUW)** प्रचलित था वर्तमान में उसे **जागृति सिंग ध्रुव (JAGRITI SINGH DHRUW)** के नाम से जाना जावे, इसलिए नाम का परिवर्तन अपनी स्वेच्छा, बिना किसी डर, भय व दबाव के अपनी मर्जी से कर रहे है।

दिनांक :- 18.02.2026

भवदीय
मदन लाल ध्रुव
पिता- श्री बहुर सिंग ध्रुव
निवासी- बांसटाल खल्लारी चौक, रायपुरा, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

"खुली भूमि संपत्ति जिसका खसरा क्र.-50/1 का भाग, रकबा 2912 वर्ग फुट अथवा 0.027 हेक्टेयर (कुल 0.2027 हेक्टेयर में से) है जो कि, ग्राम-पुरेना, प.ह.न. 113/44 (पुराना)/67 (नया), रानी दुर्गावति वार्ड क्र.-45 (पुराना)/ले. अरविंद दीक्षित वार्ड क्र.-56 (नया), तहसील व जिला - रायपुर (छ.ग.) में स्थित है," के सम्बंध में आम सूचना- [illegible]

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार शत्रुघन कुमार पिता श्री राम दास साव निवासी - एम. डी. / 97 वार्ड नं. - 59 विकास नगर, कुसमुंडा, कोरबा छ.ग. ने विक्रेता- चन्द्रशेखर साहू पिता श्री हरि राम साहू निवासी - गायत्री मंदिर के पास, संतोषी नगर, रायपुर, तहसील व जिला [illegible]

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि द्वारा अटल आवास योजना आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित **भवन क्रमांक 447, को मो.अवैश रजा पिता मो.अय्यूब अशरफी** के नाम से स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन के मद में पूर्ण राशि जमा कर पंजीयन कार्यालय आरंग रायपुर से दिनांक **22.01.2016** को लीजडीड (पट्टा-विलेख) का निष्पादन करा कर आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान **मो.अवैश रजा पिता मो.अय्यूब अशरफी** निवासी:- शास्त्री चौंक, अकोली रोड, आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को **श्री लकेश्वर कुमार डहरिया पिता श्री असरत राम डहरिया** निवासी:-ग्राम रसौटा, पो. समोदा, थाना खरोरा, तहसील आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः अटल आवास योजना आरंग जिला रायपुर में स्थित **भवन क्रमांक 447**, के विक्रय के संबंध में किसी भी व्यक्ति, शासकीय / अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र नवा रायपुर अटल नगर

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि द्वारा अटल आवास योजना आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित **भवन क्रमांक 446, को मो.अनस रजा पिता मो. अय्यूब अशरफी** के नाम से स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन के मद में पूर्ण राशि जमा कर पंजीयन कार्यालय आरंग रायपुर से दिनांक **26.02.2016** को लीजडीड (पट्टा-विलेख) का निष्पादन करा कर आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान **मो.अनस रजा पिता मो.अय्यूब अशरफी** निवासी:- शास्त्री चौंक, अकोली रोड, आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को **श्री लकेश्वर कुमार डहरिया पिता श्री असरत राम डहरिया** निवासी:-ग्राम रसौटा, पो. समोदा, थाना खरोरा, तहसील आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः अटल आवास योजना आरंग जिला रायपुर में स्थित **भवन क्रमांक 446**, के विक्रय के संबंध में किसी भी व्यक्ति, शासकीय / अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र नवा रायपुर अटल नगर

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL

Piles Care Clinic

लेडिस डॉक्टर्स उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

चावल उत्सव आज से, परिवहन बनेगा वितरण में बाधा, अब तक कई दुकानों में भंडारण नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य सरकार शुक्रवार से चावल उत्सव मनाने जा रही है। इसके तहत प्रदेशभर के शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में एक साथ दो महीने का चावल वितरण होगा, लेकिन अनेकों दुकानों में अब तक चावल का भंडारण ही नहीं किया जा सका है, जिसके कारण कार्ड धारकों को दो महीने का चावल तो दूर, एक महीने का चावल भी नहीं मिल पाएगा।

राशन दुकानों में चावल सप्लाई की धीमी गति की वजह ट्रांसपोर्ट एजेंसियां हैं, जिनके द्वारा गाड़ियां बहुत कम उपलब्ध कराई जा रही हैं। हालांकि कम गाड़ियां उपलब्ध कराए जाने का कारण ट्रांसपोर्ट एजेंसियों को हर महीने संबंधित विभाग द्वारा राशि का भुगतान नहीं किया जाना बताया जा रहा है। कारण चाहे जो भी है, लेकिन इसका असर हितग्राहियों के साथ दुकान संचालकों पर भी पड़ेगा। चावल का भंडारण नहीं होने से हितग्राही जहां राशन दुकान का तथा संचालक को गोदाम के चक्कर काटने के लिए मजबूर होंगे।

साफ्टवेयर में तकनीकी दिक्कत के कारण आज से बंटेगा एक साथ दो माह का चावल

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने चालू माह की 20 तारीख से प्रदेशभर की राशन दुकानों में चावल उत्सव कार्यक्रम के तहत फरवरी और मार्च के कोटे का चावल एक साथ कार्ड धारकों को वितरण करने का आदेश जारी किया है। हालांकि यह चावल उत्सव पहले 1 फरवरी से शुरू किया जाना था, लेकिन साफ्टवेयर में तकनीकी दिक्कत के कारण किसी कार्ड धारक का एक माह तो किसी का दो माह का चावल ऑनलाइन शो कर रहा था। सूत्र के अनुसार इस तकनीकी दिक्कत को ठीक करने के लिए ही चावल उत्सव कार्यक्रम की तारीख बढ़ाकर 20 फरवरी की गई है।

6 महीने से ट्रांसपोर्ट एजेंसियों को भुगतान नहीं, इसलिए कम भेज रहे वाहन

सूत्र से पता चला कि पिछले 6 महीनों से ट्रांसपोर्ट एजेंसियों को विभाग की ओर से भुगतान नहीं किया गया है। इस कारण ट्रांसपोर्ट एजेंसियों के संचालक भी डिमांड एवं अनुबंध की तुलना में बहुत कम गाड़ियां नागरिक आपूर्ति निगम को उपलब्ध करा रहे हैं। सूत्र से यह भी खबर मिली है कि परिवहन विभाग के वाट्सप ग्रुप में एक ट्रांसपोर्ट एजेंसी के संचालक ने भुगतान नहीं होने के कारण मैसेज भी किया है, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा है कि लंबित राशि का भुगतान जब तक नहीं होगा, तब तक वाहन की संख्या नहीं बढ़ाएंगे।

चावल के साथ शक्कर-नमक की सप्लाई भी धीमी

ट्रांसपोर्ट एजेंसियों द्वारा कम गाड़ियां गोदाम में भेजे जाने के कारण चावल के साथ शक्कर और नमक का भंडारण भी कई राशन दुकानों में अब तक नहीं हो पाया है। डीओ जमा करने वाले राशन दुकानों के संचालक में कोई चावल तो कोई शक्कर एवं नमक भंडारण कराने की मांग लगातार वाट्सप ग्रुप में कर रहा है, लेकिन गाड़ियों की कमी का हवाला देकर नान गोदामों से दुकानों में चावल, शक्कर और नमक का भंडारण नहीं कराया जा रहा है।

रायपुर सहित अन्य कई जिलों में भंडारण की अव्यवस्था

रायपुर सहित प्रदेश के अन्य कई जिलों में नान के गोदामों में ट्रांसपोर्ट एजेंसियां कम संख्या में गाड़ियां उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिसके कारण कई दुकानों में आज से दो माह का एक साथ चावल वितरण की संभावना कम है।

खबर संक्षेप

कलेक्टर-सीईओ ने चखा मध्यान्ह भोजन का स्वाद

रायपुर। धरसींवा दौरे के दौरान कलेक्टर गौरव सिंह और जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन शासकीय प्राथमिक शाला सेजबहार एवं कांदुल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय प्राथमिक शाला कांदुल में बच्चों को मिलने वाले मध्यान्ह भोजन को चखकर उसके स्वाद और गुणवत्ता की जांच भी किया। इस दौरान कलेक्टर ने शासकीय प्राथमिक शाला कांदुल में चल रहे कक्षाओं के मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया एवं कार्य को जल्द पूर्ण करने व गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। शासकीय प्राथमिक शाला सेजबहार में कलेक्टर एवं सीईओ ने बच्चों से सभी विषयों की कॉपी मंगवाकर जांच की एवं बच्चों से पूछा कि पढ़ाई कैसी चल रही है।

चिमनानी बोले- कांग्रेस ने गरीबों के सिर से छत छीनने का पाप किया

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने कहा, कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रधानमंत्री आवास योजना में किए गए घोटालों को लेकर कैग की रिपोर्ट में उठाए गए गंभीर सवालों पर कांग्रेस का कोई भी नेता बोलने को तैयार क्यों नहीं है। कांग्रेस ने गरीबों के आवास को छीनकर जो भ्रष्टाचार किया, उसका पैसा क्या केवल राज्य के नेताओं ने ही आपस में बांटा है या यह पैसा राहुल गांधी और सोनिया गांधी तक भी पहुंचा है। श्री चिमनानी ने कहा, कांग्रेस ने न केवल धार्मिक आस्थाओं के साथ खिलवाड़ किया, बल्कि गरीबों के सिर से छत छीनने का पाप भी किया है। कांग्रेस के कार्यकाल में जहां भगवान शंकर और गौ माता के नाम पर बड़े-बड़े घोटाले हुए, वहीं गरीबों के आशियानों को भी नहीं बख्शा गया। कांग्रेस ने गरीबों की छत छीनकर अपनी जेबें भरने का काम किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना में जिस प्रकार की अनियमितताएं सामने आई हैं, वह कांग्रेस के असली चेहरे को उजागर करती हैं। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए श्री चिमनानी ने प्रधानमंत्री आवास योजना में हुए भ्रष्टाचार के कई गंभीर मुद्दे उठाए और कहा, ऐसे लोग जो इस दुनिया में नहीं हैं, उनके नाम पर आवास योजना की राशि निकाल ली गई।

आम सूचना
नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **मदन लाल ध्रुव पिता- श्री बहुर सिंग ध्रुव आयु-58 वर्ष निवासी-बांसटाल, खल्लारी चौक, रायपुरा, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)** का निवासी हूँ पूर्व में मेरी पुत्री का नाम **जागृति सिंग ध्रुव (JAGRUTI SING DHRUW)** प्रचलित था वर्तमान में उसे **जागृति सिंग ध्रुव (JAGRITI SINGH DHRUW)** के नाम से जाना जावे, इसलिए नाम का परिवर्तन अपनी स्वेच्छा, बिना किसी डर, भय व दबाव के अपनी मर्जी से कर रहे है।

दिनांक :- 18.02.2026

भवदीय
मदन लाल ध्रुव
पिता- श्री बहुर सिंग ध्रुव
निवासी- बांसटाल खल्लारी चौक, रायपुरा, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

रसूखदारों से बकाया वसूली न करने का आरोप, पॉवर सप्लाई की क्वालिटी पर भी सवाल

बिजली की कीमत बढ़ाने के प्रस्ताव का विरोध आयोग के दफ्तर में कांग्रेस का जमकर हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य बिजली नियामक आयोग में बिजली की कीमत बढ़ाने के छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के प्रस्ताव पर की गई जनसुनवाई में जमकर विरोध किया गया। हर वर्ग के उपभोक्ता ने कीमत न बढ़ाने की मांग रखी। कांग्रेस ने इस मामले में दफ्तर में जमकर हंगामा किया। बाहर प्रदर्शन करने के बाद आयोग के सामने अपनी बात रखते हुए रसूखदारों से बकाया न वसूलने का आरोप लगाते हुए घरेलू उपभोक्ताओं का हजार रुपए के बकाया पर बिजली कनेक्शन काटने का भी विरोध किया गया। किसानों के प्रतिनिधियों ने बिजली सप्लाई की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़ा किया। नए सत्र के लिए पॉवर कंपनी से बिजली के नए टैरिफ के लिए, मिले प्रस्ताव पर आयोग लगातार सुनवाई कर रहा है। पहले दो दिनों तक पॉवर कंपनी के आधा दर्जन क्षेत्रीय दफ्तरों में सुनवाई के बाद गुरुवार से आयोग के रायपुर के दफ्तर में जनसुनवाई प्रारंभ की गई है।

औपचारिकता न बन जाए : ढेबर

जनसुनवाई में अपना पक्ष रखते हुए पूर्व महापौर एजाज ढेबर ने प्रमुखता से अपनी बातें रखी और कहा कि बिजली दरों में किसी भी प्रकार की बढ़ोतरी सीधे आम उपभोक्ताओं, किसानों, छोटे व्यापारियों और मध्यम वर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालेगी। ढेबर ने मुद्दे को विस्तार देते हुए कहा कि आयोग द्वारा आयोजित यह जन-सुनवाई महज औपचारिकता न बन जाए, बल्कि जनता की वास्तविक आपत्तियों और सुझावों को गंभीरता से सुना जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में बिजली दरों में लगातार बढ़ोतरी की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है और पूर्व में दी गई राहतों को भी सीमित करने के प्रयास किए गए हैं।

कांग्रेस का विरोध और प्रदर्शन

जनसुनवाई में विरोध करने कांग्रेस की तरफ से दो पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, एजाज ढेबर, पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा के साथ ही पंकज शर्मा, शहर जिला अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, ग्रामीण के अध्यक्ष पप्पू बंजारे के साथ भारी संख्या में कांग्रेसी पहुंचे। सभी ने पहले आयोग के दफ्तर के सामने प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। इसके बाद आयोग के सचिव एसपी शुक्ला और सदस्यों के साथ अपना पक्ष रखते हुए बिजली की कीमत बढ़ाने का विरोध किया। प्रमोद दुबे ने कहा, सरकार उद्योगपतियों को राहत दे रही है और आम नागरिकों की जेब काट रही है। प्रदेश में राज्य उत्पादन कंपनी की बिजली दर लगभग 3.51 प्रति यूनिट है, जबकि बाजार से महंगी बिजली खरीदकर औसत दर 4.07 प्रति यूनिट तक पहुंचा दी गई है। इस बिजली को घरेलू उपभोक्ताओं 8 से 9 रुपए प्रति यूनिट पर दिया जा रहा है। श्री दुबे ने पॉवर कंपनी के 63 सौ करोड़ के घाटे पर कहा, कंपनी का उपभोक्ताओं और सरकार पर ही सात हजार करोड़ का बकाया है। आम उपभोक्ता से तो वसूली हो रही है, पर आईएएस एसोसिएशन के साथ मंत्री, विधायक, सांसद और अफसरों पर बकाये की वसूली नहीं हो रही है। कंपनी बकाया की वसूली कर ले तो कीमत बढ़ाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

स्टील उद्योग को सस्ती बिजली का भी विरोध

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों से स्टील उद्योगों को लोड फैक्टर के नाम पर भारी छूट दी जा रही है, जिससे प्रतिवर्ष लगभग 1500 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। यह घाटा बड़े उद्योगपतियों से वसूलने के बजाय छोटे उपभोक्ताओं, मध्यम वर्ग और किसानों से वसूला जा रहा है। कांग्रेसी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि बिजली दर वृद्धि का प्रस्ताव वापस नहीं लिया गया तो कांग्रेस पार्टी चरणबद्ध आंदोलन करेगी और सड़क से सदन तक विरोध किया जाएगा।

किसानों ने भी जताया विरोध

जनसुनवाई में किसानों के कई प्रतिनिधि भारी संख्या में किसानों के साथ पहुंचे। प्रतिनिधि राजकुमार गुप्ता, लोकनाथ नायक, अजय पांडेय और श्याम काबरा ने कहा, बिजली की कीमत लगातार हर साल बढ़ा रहे हैं, लेकिन किसानों की बिजली सप्लाई करने की क्वालिटी में सुधार नहीं किया जा रहा है। सबसे पहले क्वालिटी को सुधार जाए, इसके बाद कीमत बढ़ाने की बात हो। घरेलू उपभोक्ता घनाराम साहू ने सुझाव दिया, पहले कंपनी अपना सभी वर्ग के उपभोक्ताओं से बकाया वसूले इसके बाद की कीमत में इजाफा किया जाए। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को 50 फीसदी की छूट को समाप्त करने की मांग रखी।

सीएम साय ने कहा

खनिज प्रशासन के प्रभावी संचालन में मैदानी अमले की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को अपने निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित नव नियुक्त खनि निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा की दृष्टि से देश के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक है और खनिज प्रशासन के प्रभावी संचालन में मैदानी अमले की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने नव चयनित खनि निरीक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवाओं पर ही देश और प्रदेश का भविष्य निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि खनिज विभाग में नई नियुक्तियों से विभागीय कार्यबल मजबूत होगा तथा खनिज अन्वेषण और खनन गतिविधियों को और गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त खनि निरीक्षक अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन करते हुए खनिज प्रशासन से जुड़े कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राजस्व वृद्धि में दें सक्रिय योगदान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट, लाइमस्टोन, टिन, डायमंड, गोल्ड और लिथियम सहित विभिन्न खनिज संपदाओं से परिपूर्ण है। खनिज राज्य के राजस्व का प्रमुख स्रोत भी हैं और सरकार खनिज राजस्व में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने नवनियुक्त अधिकारियों को खनिज राजस्व वृद्धि में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि खनि निरीक्षक के रूप में आप सभी के ऊपर बड़ी जिम्मेदारी है। पारदर्शिता, ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करते हुए राज्य के संसाधनों के संरक्षण और सुव्यवस्थित उपयोग में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

30 को दिए गए नियुक्ति पत्र

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा 15 अक्टूबर 2025 को 33 खनि निरीक्षकों की चयन सूची जारी की गई थी। खनिज साधन विभाग द्वारा 19 फरवरी 2026 को कुल 32 खनि निरीक्षकों की नियुक्ति आदेश जारी किए गए, जिनमें से 30 नव चयनित खनि निरीक्षकों को आज मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह, सचिव खनिज साधन विभाग पी. दयानंद, संचालक भौमिकी एवं खनिकर्म रजत बंसल सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केदार बोले- बैज आंदोलित अभ्यर्थियों को गुमराह करने की राजनीति कर रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने सहायक शिक्षक भर्ती-2023 के मसले पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज पर जमकर निशाना साधा है। श्री कश्यप ने कहा, बुधवार को आधी रात को राजधानी के सेंट्रल जेल पहुंचकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष घड़ियाली आंसू बहाकर इस मुद्दे पर आंदोलित अभ्यर्थियों को गुमराह करने की राजनीति कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि कांग्रेस की पिछली सरकार ने प्राथमिक स्कूलों में बीएड वालों को प्रवेश देकर डीएड डिप्लोमाधारकों के भविष्य को संकट में डाला और इस अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले कई अभ्यर्थियों पर एफआईआर दर्ज की गई, जिससे उनके सरकारी नौकरी पाने के भविष्य पर खतरा मंडराने लगा। श्री कश्यप ने कहा कि बैज को यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि कांग्रेस शासनकाल में शिक्षाकर्मियों, और विशेषकर डीएड अभ्यर्थियों का मुद्दा जब आंदोलन के रूप में सड़कों पर सामने आया तब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सम्वाद का रास्ता चुनकर समस्या का समाधान करने के बजाय प्रशासन की आड़ में टकराव और बल प्रयोग कर लाठीचार्ज किया था। सहायक शिक्षक भर्ती 2023 के संबंध में वस्तुस्थिति स्पष्ट करते हुए श्री कश्यप ने कहा, राज्य सरकार शासकीय शालाओं में शिक्षा की गुणवत्ता और योग्य अभ्यर्थियों के भविष्य को लेकर पूरी तरह सजग है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नए अभ्यर्थियों के हितों का संरक्षण हमारी प्राथमिकता है। न्यायालय के निर्देशानुसार, सहायक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया के पांचवें चरण में 2621 बीएड योग्यताधारी शिक्षकों के स्थान पर डीएड अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल किया गया था। शासन के निर्देशों का पालन करते हुए कुल 2615 पदों के लिए अवसर प्रदान किया गया, जिसमें से 1319 अभ्यर्थी पात्र पाए गए और उन्हें नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं।

आम सूचना

"खुली भूमि संपत्ति जिसका खसरा क्र.-50/1 का भाग, रकबा 2912 वर्ग फुट अथवा 0.027 हेक्टेयर (कुल 0.2027 हेक्टेयर में से) है जो कि, ग्राम-पुरेना, प.ह.न. 113/44 (पुराना)/67 (नया), रानी दुर्गावति वार्ड क्र.-45 (पुराना)/ले. अरविंद दीक्षित वार्ड क्र.-56 (नया), तहसील व जिला - रायपुर (छ.ग.) में स्थित है." के सम्बंध में आम सूचना -

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार द्वारा उपरोक्त संपत्ति को, उसके वर्तमान भूमिस्वामी, श्री श्याम चावला पिता स्व. के. आर. चावला से क्रय करने हेतु संविदा कर ली है, अब आगे उक्त संपत्ति के विक्रय विलेख के निष्पादन व पंजीयन की प्रक्रिया शेष है। उक्त संपत्ति को उक्त श्याम चावला द्वारा एक अपंजीकृत वसीयतनामा के माध्यम से स्व. मुकेश प्रकाश पुजारी की इच्छानुसार प्राप्त किया गया है जिसमे उक्त मुकेश प्रकाश पुजारी के वारिसानों स्नेहलता पुजारी (पत्नी), अनुभव पुजारी व मोहित पुजारी (पुत्र) एवं आकांक्षा पुजारी (पुत्री) की सहमति प्राप्त है व राजस्व अभिलेखों में वर्तमान स्वामी श्याम चावला का नाम दर्ज है। मेरा पक्षकार उक्त संपत्ति को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में बंधक रख कर ऋण के माध्यम से क्रय करना चाहता है।

अतः उपरोक्त भूमि संपत्ति के स्वामित्व, आधिपत्य एवं अंतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, व्यक्ति समूह, संस्था, बैंक, वित्तीय संस्थान, शासकीय, अथवा अर्ध-शासकीय विभाग अथवा निकाय इत्यादि को कोई भी उजर दावा या आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 (पंद्रह) दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज़ आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि पश्चात प्रस्तुत आपत्ति अवैध तथा शून्य मानी जावेगी तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी, साथ ही समयावधि पश्चात मेरा पक्षकार उक्त भूमि संपत्ति को क्रय, अन्यत्र हस्तांतरित, बंधक, रहन इत्यादि करने हेतु स्वतंत्र होगा।

सो सूचना जाने।

दिनांक - 19.02.2026
स्थान - रायपुर

मुहर

मनीष मल्होत्रा,
अधिवक्ता जी-7, सेक्टर-1,
अवन्ती विहार, रायपुर छ.ग.
मो.- 9826628916

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार शत्रुघन कुमार पिता श्री राम दास साव निवासी - एम. डी. / 97 वार्ड नं. - 59 विकास नगर, कुसमुंडा, कोरबा छ.ग. ने विक्रेता- चन्द्रशेखर साहू पिता श्री हरि राम साहू निवासी - गायत्री मंदिर के पास, संतोषी नगर, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. से उसकी भूमि स्वामी हक स्वामित्व एवं आधिपत्य की आवासीय परिवर्तित खसरा नंबर - 433/29 रकबा 1391.00 वर्गफुट भूमि वाके मौजा- डूंडा, प.ह.नं.-00072, रा.नि.मं. - रायपुर-154 - बोरियाखुर्द, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित हैं, उक्त भूमि को मेरे पक्षकार द्वारा क्रय करने बाबत पक्का सौदा कर अग्रिम बयाना राशि अदा कर विक्रय इकरारनामा का निष्पादन किया गया हैं, उपरोक्त वर्णित संपत्ति को क्रय करने का पक्का सौदा किया गया है, उक्त संपत्ति का बैनामा पंजीयन किया जाना शेष है।

अतः एतद द्वारा सर्वसाधारण जनता, व्यक्ति, विक्रेता के वारिसानों, संस्था, निकाय, निगम सरकारी, गैर सरकारी संस्था, बैंक, वित्तीय संस्थाएँ इत्यादि को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त सौदे में उन्हें कोई उजर आपत्ति या दावा हो तो इस आम सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के भीतर में मेरे नीचे लिखे पते में दस्तावेज सहित आपत्ति दावा प्रस्तुत करें । समयावधि व्यतीत होने के पश्चात मेरा पक्षकार उक्त संपत्ति के विक्रय विलेख का निष्पादन एवं पंजीयन अपने पक्ष में करवा लेगें एवं बाद म्याद की गई कोई भी आपत्ति अवैध एवं शून्य मानी जावेगी जो मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।

अतः सूचना जाने।

दिनांक- 19/02/2026
स्थान- रायपुर (छ.ग.)

भवदीय
पी.पी. साहू (अधिवक्ता)
रायपुर छ.ग.
मो. नं. - 9753179751, 9708507640

राज्य वन विकास निगम बनाएगी कार्ययोजना

न्यूट्रिशन फ्लो तकनीक से गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाने पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम द्वारा न्यूट्रिशन फ्लो तकनीक के प्रभावी उपयोग और भविष्य की रणनीति तय करने के लिए एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य नर्सरियों में पौधों के उत्पादन, प्रबंधन और वन रोपण कार्यों में आधुनिक तकनीक अपनाकर गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाना था। अधिकारियों ने निर्णय लिया कि वन विकास निगम की नर्सरियों में इस तकनीक को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इसके लिए स्पष्ट कार्ययोजना और दीर्घकालिक रोडमैप तैयार किया जाएगा।

बैठक में विशेषज्ञों ने बताया कि न्यूट्रिशन फ्लो तकनीक के माध्यम से पौधों को संतुलित पोषक तत्व नियंत्रित तरीके से दिए जा सकते हैं। इससे कम पानी में अधिक उत्पादन संभव होता है और संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। इस तकनीक से नियंत्रित वातावरण में स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण पौधे तैयार किए जा सकते हैं। विशेषज्ञों ने इसके तकनीकी पहलुओं, लाभ, व्यवहारिक उपयोग और संभावित चुनौतियों पर विस्तृत जानकारी दी।

नवाचार को बढ़ावा

बैठक में यह भी सहमति बनी कि कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, उनकी तकनीकी क्षमता विकसित की जाएगी और पहले चरण में पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए जाएंगे। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम की यह पहल वन क्षेत्र में नवाचार, सतत विकास और आधुनिक कृषि-वानिकी तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

हर महीने 17 टन मछली का उत्पादन

रायपुर। धरसींवा विकासखंड क्षेत्र में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत हितग्राहियों द्वारा मत्स्य पालन किया जा रहा है। इस क्षेत्र में 5 नर्सरी एवं 4 तालाबों में मत्स्य का पालन किया जा रहा है। नर्सरी में जो फिश सीड विकसित होते हैं उसे दुबारा तालाब में डाल दिया जाता है। इस प्रकार प्रति महीने करीब 17 टन का उत्पादन होता है। कलेक्टर गौरव सिंह ने गुरुवार को इस क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए मत्स्य पालन हितग्राहियों से चर्चा की।

ऊर्जा सचिव बोले- प्रदेश में 32 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए नई परियोजनाओं पर होगा काम

प्रदेश को देश की ऊर्जा राजधानी बनाने की दिशा प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव ने कहा, प्रदेश को देश की ऊर्जा राजधानी बनाने की दिशा में काम चल रहा है। 32 हजार 100 मेगावाट क्षमता की नई परियोजनाओं के लिए विभिन्न संस्थाओं के साथ एमओयू किए गए हैं। इन परियोजनाओं में 12 हजार 100 मेगावाट ताप विद्युत, 4 हजार 200 मेगावाट न्यूक्लियर, 2 हजार 500 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर तथा 13 हजार 300 मेगावाट पंप स्टोरेज क्षमता शामिल है। इन परियोजनाओं में लगभग 3.4 लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा। पत्रकारों से चर्चा करते हुए डॉ. यादव ने जानकारी दी कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी, एनटीपीसी तथा निजी उत्पादकों को मिलाकर प्रदेश की कुल स्थापित विद्युत क्षमता 30 हजार 671.7 मेगावाट है। इसमें 28 हजार 824 मेगावाट ताप विद्युत, 220 मेगावाट जल विद्युत तथा सोलर, बायोमास आदि स्रोतों से 2,047 मेगावाट क्षमता शामिल है। ताप विद्युत क्षेत्र में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी की 2,840 मेगावाट, एनटीपीसी व निजी स्वामित्व के बिजलीघरों की 20 हजार 299 मेगावाट तथा कैप्टिव पॉवर प्लांट्स की 5 हजार 266 मेगावाट क्षमता है। डॉ. यादव ने कहा राज्य शासन द्वारा पंप स्टोरेज आधारित जल विद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए नीति 2023 लागू की गई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा 8,300 मेगावाट क्षमता के छह स्थलों का चिन्हांकन किया गया है, जिनमें से पांच के फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार हो चुकी है और डीपीआर निर्माणाधीन है। निजी क्षेत्र में भी लगभग 5,000 मेगावाट क्षमता की परियोजनाओं पर कार्य जारी है। डॉ. यादव ने बताया, नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार के तहत एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड एवं राज्य उत्पादन कंपनी के संयुक्त उपक्रम द्वारा लगभग 2 हजार मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं।

लगातार कर रहे विस्तार

डॉ. यादव ने बताया, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा कोरबा पश्चिम में 660-660 मेगावाट की दो सुपर क्रिटिकल इकाइयों एवं मड़वा में 800 मेगावाट की इकाई स्थापित करने की दिशा में कार्य प्रगति पर है। पारेषण क्षेत्र में उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि दिसंबर 2023 से जनवरी 2026 के बीच उपकेन्द्रों की संख्या 132 से बढ़कर 137 हो गई है। ट्रांसफार्मरों की कुल क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा 132 केवी लाइनों में पुराने कंडक्टरों को उच्च क्षमता वाले एचटीएलएस कंडक्टर से बदला जा रहा है। साथ ही 5 हजार 200 किमी ऑप्टिकल फाइबर ग्राउंड वायर का इंस्टॉलेशन पूर्ण कर 131 उपकेन्द्रों को डिजिटल संचार नेटवर्क से जोड़ा गया है।

क्रेडा ने 26 हजार सोलर पंप लगाए

क्रेडा की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए डॉ. यादव ने बताया, विगत दो वर्षों में 26 हजार 794 सोलर सिंचाई पंप, 7 हजार 833 सोलर पेयजल पंप तथा 1 हजार 709 सोलर हाईमास्ट स्थापित किए गए हैं। आगामी वर्षों में ऑफग्रिड सोलर प्लांट्स एवं रूफटॉप सौर संयंत्रों के विस्तार की कार्ययोजना पर भी कार्य जारी है। इस दौरान सीएसपीडीसीएल के एमडी भीम सिंह कंवर, सीएसपीजीसीएल के एमडी एस के कटियार, सीएसपीटीसीएल के एमडी राजेश कुमार शुक्ला सहित वरिष्ठ विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

डिजिटल नंबर प्लेट से 4 साल बाद भी जनता को घर बैठे नहीं मिलीं आपात सेवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानीवासियों को नगर निगम द्वारा लगवाए गए डिजिटल नंबर प्लेट से तत्काल मदद पुलिस, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड सेवाएं 4 साल बाद भी नहीं मिल पाई हैं, जबकि आपात स्थिति से जुड़ी इन नागरिक सेवाओं को 12 डिजिट के डोर नंबर से सीधे कनेक्ट करने की योजना रही।

निगम प्रशासन ने दावा किया था कि संकट के समय शहर का कोई भी नागरिक घर बैठे अपने घर के सामने लगाये गये डिजिटल नंबर प्लेट को स्कैन कर तत्काल निःशुल्क रूप से इन सेवाओं का लाभ ले सकेगा। आलम ये है कि निगम के आईटी सेल को पुलिस और स्वास्थ्य विभाग से एकीकृत करने एपीआई अब तक नहीं मिल पाया है। यही वजह है शहरभर में घरों के सामने नगर निगम द्वारा लगवाए गए डिजिटल नंबर प्लेट से केवल निगम से जुड़ी नागरिक सेवाएं लोगों को मिल पा रही हैं।

हरिभूमि सरोकार

निगम से जुड़ी नागरिक सेवाओं को जोड़ा

नगर निगम से जुड़ी कई सेवाएं जैसे संपत्ति कर का घर बैठे भुगतान डिजिटल नंबर को स्कैन कर किया जा सकता है। इसी नंबर प्लेट को स्कैन कर कोई भी व्यक्ति निदान 1100 में अपनी शिकायत घर बैठे ऑनलाइन दर्ज करा सकता है। यही नहीं नागरिक सेवाओं से जुड़े स्वास्थ्य और नगर निवेश की 16 अलग-अलग श्रेणियों में ई चालन सिस्टम इसमें जोड़ दिया गया है। इससे सीधे घर बैठे उपभोक्ता को उनके मोबाइल पर ई चालान की जानकारी मिलते ही मिनटों में यह पता चल जाता है कि उनसे कहां और किस तरह की चूक हुई। इसी नामांतरण, नल कनेक्शन संबंधी सेवा को इसमें जोड़ा गया है।

- तत्काल मदद, पुलिस, एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की सेवाएं घर बैठे उपलब्ध कराने का किया था दावा
- निगम के आईटी सेल को पुलिस और स्वास्थ्य विभाग से नहीं मिल पाया एपीआई
- 12 डिजिट का नंबर केवल निगम की सेवाओं तक सिमटा

एकीकृत नहीं हो पाई सेवाएं, एपीआई नहीं मिला

पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की आपात सेवाओं को डिजिटल नंबर से जोड़ने हमने कई बार पत्र लिखा है। पुलिस अधिकारियों के साथ मीटिंग भी की है, पर संबंधित विभाग से ये सेवाएं एकीकृत नहीं हो पाईं, क्योंकि हमें एपीआई भी नहीं मिला।
- रंजीतरंजन, आईटी हेड, आईटी सेल नगर निगम रायपुर

दरअसल, दिल्ली, हैदराबाद, तेलंगाना की तर्ज पर शहर के 3 लाख 15 हजार से अधिक घरों, दुकानों, खाली प्लॉट सहित अन्य प्रापर्टी को अलग पहचान देने नगर निगम ने डिजिटल नंबर प्लेट लगवाया है। इसमें स्ट्रीट नंबर भी दर्शाया गया है, यह सीधे मोबाइल एप्लिकेशन से जुड़ा हुआ है। इससे जहां घरों को ढूंढना और वहां तक सुविधाएं पहुंचाना आसान हुआ है, वही नागरिकों को कई सुविधाएं घर बैठे उपलब्ध कराने की योजना रही। इसमें आपात स्थिति आने पर पुलिस, फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस समेत कई सेवाओं को जोड़ना था, जनता की सुरक्षा और उसकी जरूरत से जुड़ी ये अहम सेवाएं 4 साल बीतने के बाद भी आम नागरिकों को घर बैठे नहीं मिल पा रही है। इनमें आपात स्थिति के लिए पुलिस, फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस की सेवाएं शामिल है। इसका एक प्रमुख कारण नगर निगम का संबंधित विभाग के कंट्रोल रूम से एकीकृत नहीं हो पाना है। साथ ही नगर निगम के आईटी सेल को पुलिस और स्वास्थ्य विभाग से अब तक एपीआई नहीं मिली है।

21-22 फरवरी को क्षेत्रीय सम्मेलन : रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वारा 21 और 22 फरवरी को रायपुर में क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन भारत सरकार के उपभोक्ता मामले और खाद्य तथा सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया जाएगा, जिसमें 8 राज्यों के आयोग के अध्यक्ष शामिल होंगे।

निधन

बिशन बाई साहू

रायपुर। हीरापुर के ग्राम तेंदुआ निवासी बिशन बाई साहू का 19 फरवरी को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम के मुक्तिधाम में किया गया। वे तहसील साहू संघ धरसींवा के अध्यक्ष लेखराम साहू, मोतीराम, तातूराम, दिनेश, सुरेश, नंदावरी साहू की माता थीं।

इंद्रादेवी धाड़ीवाल

रायपुर। ऐश्वर्या रेसीडेंसी तेलीबांधा निवासी इंद्रादेवी धाड़ीवाल का निधन मुंबई में हो गया। उनका अंतिम संस्कार मुंबई में ही किया गया। वे चयनिका व्यास एवं मनीषा मुकीम की माता थीं।

सिगरेट की जमकर हो रही बिक्री

कलेक्टोरेट परिसर बना नशे का अड्डा प्रतिबंधित जर्दायुक्त गुटखा बिक रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जिला और पुलिस प्रशासन एक ओर जहां नशे के खिलाफ लगातार अभियान चला रहा है, वहीं दूसरी ओर कलेक्टोरेट परिसर ही नशे का अड्डा बन चुका है। परिसर में संचालित डेली नीड्स दुकान, पान ठेले में प्रतिबंधित जर्दायुक्त गुटखा और सिगरेट की जमकर बिक्री हो रही है। वहीं लोग भी परिसर में ही इसका खुलेआम नशा कर रहे हैं, जबकि कलेक्टोरेट परिसर को नशा प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है। इसके तहत परिसर में न ही किसी भी प्रकार का नशीली सामग्री बेची जा सकती है और न ही यहां नशा किया जा सकता है। इसके बाद भी आदेश की जमकर धज्जियां उड़ाते हुए यहां नशे की सामग्री बिक्री के साथ सेवन भी धड़ल्ले से किया जा रहा है।

कलेक्टोरेट परिसर में चाय-नाश्ता की दुकान के पास ही डेली नीड्स की दुकान हैं। इसके अलावा एक पान ठेला भी संचालित हो रहा है। इन दोनों जगह जर्दायुक्त गुटखा से लेकर सिगरेट की खुलेआम बिक्री की जा रही है, जबकि पूरा कलेक्टर परिसर को प्रशासन ने नशा मुक्त तथा नशा प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया हुआ है। खुलेआम धड़ल्ले से नशे की सामग्री बिक्री और सेवन के कारण इन दोनों दुकानों के पास अब असामाजिक तत्वों का भी जमावड़ा लगा रहता है।

परिसर से कोर्ट जाने का रास्ता खुला इसलिए नशाखोरी भी ज्यादा

कलेक्टोरेट परिसर के बगल में ही जिला सत्र न्यायालय है। न्यायालय और कलेक्टोरेट परिसर के बीच में दीवार है, जिसमें दोनों तरफ आने-जाने के लिए एक गेट भी है। यह गेट दिनभर खुला रहता है। इसके कारण न्यायालय में आने वाले वकीलों, कर्मचारियों से लेकर आम लोग भी इस गेट के माध्यम से कलेक्टोरेट परिसर में प्रवेश करते हैं। इनमें भी ऐसे कई लोग हैं, जो जर्दायुक्त गुटखा और सिगरेट की खरीदी कर उसका सेवन कलेक्टोरेट परिसर में ही करते हैं। इसके अलावा कलेक्टोरेट के कई कर्मचारियों सहित विभिन्न विभागों में अपने काम से आने वाले लोग भी यहां पहुंचकर खुलेआम नशा कर रहे हैं।

अंकुश लगाने के लिए अब तक कोई कदम नहीं उठाया

प्रशासनिक अधिकारियों के नाक के नीचे कलेक्टोरेट परिसर में खुलेआम प्रतिबंधित नशीली चीजों की बिक्री से लेकर सेवन किया जा रहा है। इसके बाद भी अब तक इस पर अंकुश लगाने के लिए कोई पहल नहीं की गई है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में कलेक्टर गौरव सिंह ने मंदिर हसौद में निरीक्षण के दौरान शासकीय प्राथमिक शाला के सामने एक पान ठेले पर तंबाकू बिकते पाए जाने पर उसके विरुद्ध तत्काल कार्रवाई कराते हुए दुकान को सील कराया था, साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया था कि स्कूलों के आसपास प्रतिबंधित सामग्री की बिक्री नहीं होनी चाहिए। इधर पुलिस प्रशासन भी लगातार शहर में प्रतिबंधित नशे के खिलाफ अभियान चलाकर सामग्री की जब्ती से लेकर आरोपियों को गिरफ्तार भी कर रही है। इस तरह के अभियान शहर में तो चलाया जा रहा है, लेकिन कलेक्टोरेट परिसर में अभी तक इस पर अंकुश लगाने कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

अब निगम के अधिकारी घूमेंगे पीएम आवासीय परिसर, पानी और सफाई की जांचेंगे व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- गांधी सदन में महापौर मीनल चौबे ने पीएम आवास शाखा के अधिकारियों की ली बैठक, दिए निर्देश
- पीएम आवास परिसर में पेयजल, सफाई की शिकायतों पर लिया संज्ञान

नगर निगम के अधिकारी अब प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासीय परिसर घूमेंगे। वहां से रहवासियों से मिलकर उनके आवासीय परिसर का निरीक्षण करते हुए वहां की पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण करेंगे। यदि परिसर में किसी तरह खामी मिलती है तो इसकी तत्काल जानकारी उन्हें संबंधित जोन को देना होगा, जिससे समय रहते जन समस्या का निराकरण किया जा सके। महापौर मीनल चौबे ने गुरूवार को गांधी सदन में प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने इस आशय के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से दो टूक शब्दों में कहा है कि गर्मी में पेयजल की उपलब्धता और अच्छी सफाई व्यवस्था देने में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

रायपुर नगर निगम के दस जोन स्थित प्रधानमंत्री आवासीय परिसर की लचर व्यवस्था को अब दुरूस्त किया जाएगा। परिसर में रहने वालों को मूलभूत सुविधा के मामले में किसी तरह की कोई परेशानी न हो इसके लिए शहरी सरकार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने जुटी हुई है। महापौर मीनल चौबे ने शहर के पीएम आवासीय परिसरों में पेयजल, सफाई को लेकर मिल रही शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए विभागीय अधिकारियों को फील्ड पर जाकर जन समस्या का त्वरित समाधान करने निर्देश दिए हैं। खासकर के सुगम पेयजल आपूर्ति और पीएम आवासीय परिसर की समुचित सफाई पर अधिकारियों को ध्यान देने कहा गया है। संबंधित जोन क्षेत्र के जोन कमिश्नर और संबंधित जोन अधिकारियों को जन समस्याओं की प्रत्यक्ष जानकारी लेकर प्राथमिकता के आधार समस्या के समाधान कराने हिदायत दी गई है। महापौर कक्ष में हुई बैठक में अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, सहायक अभियंता अमित बोस, सोशल डेवलपमेंट आफिसर डॉ. संगीता ठाकुर, उप अभियंता मानसी सिंघानिया, प्रियदर्शिनी सोनी, चंद्रकांत बर्गे उपस्थित रहे।

बौद्ध युवक-युवती परिचय सम्मेलन 15 मार्च को

रायपुर। भारतीय बौद्ध महासभा रायपुर के तत्वावधान में 15 मार्च को बौद्ध युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सांस्कृतिक भवन देवेंद्र नगर में सुबह 9.30 बजे प्रारंभ होगा। यह जानकारी बौद्ध महासभा के अध्यक्ष प्रकाश रामटेके ने देते हुए बताया कि मैत्री भोज दोपहर 1.30 बजे से 2.30 बजे तक होगा, जिसमें विवाहयोग्य युवक-युवती, विधुर एवं तलाकशुदा महिला, पुरुष भाग लेकर शामिल हो सकेंगे।

बिजनेस साइट

विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स में मारुति सुजुकी की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी 'ई-विटारा' लॉन्च

रायपुर। विधानसभा रोड स्थित विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स ने मारुति सुजुकी की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी 'ई-विटारा' का भव्य शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि किसले प्रसाद, उपमहाप्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा तथा यशवंत अग्रवाल, प्रबंध निदेशक, विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स की अध्यक्षता में हुआ। साथ ही गौरव डेव, रीजनल मैनेजर, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड सहित अन्य अधिकारियों और मीडिया पार्टनर्स की उपस्थिति ने कार्यक्रम को खास बनाया। लांचिंग अवसर पर वाहन का अनावरण किया गया और उपस्थित ग्राहकों व अतिथियों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। यशवंत अग्रवाल ने कहा कि ई-विटारा भारत में मारुति की नए इलेक्ट्रिक युग की शुरुआत है। यह एसयूवी एक चार्ज में 540 किलोमीटर की रेंज, एडास लेवल 2, सात एयरबैग्स और अत्याधुनिक सुरक्षा फीचर्स के साथ आती है। इंट्रोडक्टरी प्राइस 10.99 लाख रुपए है, इस लॉन्च से रायपुर में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को नया आयाम मिलेगा।

मैट्स लॉ स्कूल का जागरूकता कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक भी

रायपुर। मैट्स यूनिवर्सिटी के अधीन मैट्स लॉ स्कूल द्वारा शुभम के-मार्ट कमल विहार रायपुर में 'कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पॉश एक्ट)' विषय पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम एवं नुक्कड़ नाटक का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों और आम नागरिकों में पॉश अधिनियम के तहत महिलाओं के अधिकार, शिकायत निवारण प्रक्रिया और कार्यस्थल पर सम्मानजनक वातावरण के महत्व को समझाना था। एलएलबी के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक में यौन उत्पीड़न की वास्तविक परिस्थितियों और कानूनी प्रावधानों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। इस पहल का नेतृत्व डॉ. प्रशांत कुमार ने किया और कार्यक्रम संयोजन डॉ. आई. नागमणि देशलहरे ने किया। उपस्थित नागरिकों और कर्मचारियों ने जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की।

इस बार हंगामेदार होगा बजट सत्र विधायकों ने लगाए 2649 सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विधानसभा के बजट सत्र के लिए विधायकों ने अब तक 2649 सवाल लगाए हैं। 23 फरवरी से शुरू होने वाले बजट सत्र के लिए विपक्ष की ओर से सरकार को घेरने की तैयारी की जा रही है। राज्य में प्रशासनिक अराजकता, कानून व्यवस्था की स्थिति और किसानों का पूरा धान नहीं खरीदने को लेकर कई सवाल लगाए गए हैं। वहीं स्थगन और ध्यानाकर्षण के माध्यम से सवाल उठाए जाएंगे। बताया जाता है कि विपक्ष के आरोपों के बीच सदन की कार्यवाही हंगामेदार होने की संभावना है। 15 दिन चलने वाले बजट सत्र के लिए रणनीति बनाने दोनों दलों के विधायक दल की बैठकों में चर्चा होगी।

बजट सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। वहीं दूसरे दिन 24 फरवरी को बजट पेश किए जाने की संभावनाओं के बीच अभिभाषण पर चर्चा तीसरे दिन से कराए जाने की संभावना है। परंपरा अनुसार अभिभाषण के बाद दूसरे दिन से धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होती है। सत्र के दौरान लाए जाने वाले विधेयकों और अन्य विषयों को लेकर कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में समय तय होगा। दूसरे दिन बजट पेश किए जाने के बाद पहले सप्ताह में सामान्य चर्चा कराई जाएगी। सत्र के दौरान होली अवकाश के बाद विभागीय बजट और अनुदान मांगों पर चर्चा कर पारित किए जाएंगे।

प्रशासनिक अराजकता, कानून व्यवस्था और धान नहीं खरीदने को लेकर लगे कई सवाल

विपक्ष लाएगा जनहित के मुद्दों पर स्थगन

विधानसभा के बजट सत्र को लेकर विधायकों ने अब तक 2649 सवाल लगाए हैं। सत्र के दौरान पहले दिन को छोड़कर शेष दिन प्रश्नकाल होगा। सत्र के दौरान विपक्ष द्वारा प्रदेश के कई जनहित के मुद्दों पर स्थगन भी लाया जाएगा। वहीं, सत्ता पक्ष की ओर से प्रदेश के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण विधायी कार्य और वित्तीय प्रस्ताव सदन के पटल पर रखे जाएंगे। वहीं सत्र में लाए जाने वाले विधेयकों पर भी चर्चा की गयी।

विपक्ष ने इन मामलों में लगाया सवाल

विधानसभा में कांग्रेस बजट सत्र के दौरान धान खरीदी, कानून व्यवस्था और नई योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की पुरजोर कोशिश करेगी। धान खरीदी और उसके पूर्व पंजीयन को लेकर अपनाई गई प्रक्रिया, शहरों में बढ़ती आपराधिक घटनाएं, नशे का कारोबार, प्रशासनिक अराजकता, चौपाटी हटाने का मामला, जल जीवन मिशन, लोक निर्माण विभाग में घटिया सड़क निर्माण, सीएसआईडीसी और उद्योग विभाग में गड़बड़ी, स्वास्थ्य विभाग में अव्यवस्था, नगरीय निकाय विभाग में बिना अनुमति कार्य, खाद और बीज के मामले में गड़बड़ी सहित अन्य मुद्दों को लेकर सदन में विपक्ष सरकार को घेरेगा।

पंप में सिगरेट पीने से मना करने पर नशेड़ी ने जलता लाइटर बाइक की डिक्की में फेंका, बड़ी दुर्घटना टली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- घटना उरला थाना क्षेत्र की, पुलिस ने दो युवकों को किया गिरफ्तार

पेट्रोल भरवाते समय सिगरेट पीने से मना करने पर एक नशेड़ी युवक ने जलता लाइटर बाइक की डिक्की में फेंक दिया। पेट्रोल पंप कर्मी की सूझ-बूझ से एक बड़ा हादसा होने से बच गया। पेट्रोल पंप में आग लगाने के आरोप में उरला पुलिस ने नशेड़ी युवक तथा उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना बुधवार रात पौने आठ बजे के करीब की है।

पेट्रोल पंप में आग लगाने की कोशिश करने के आरोप में पुलिस ने धर्मेन्द्र सिंह क्षत्री, इमरान कुरैशी को गिरफ्तार किया है। एक बिरगांव तथा दूसरा उरला का रहने वाला है। दोनों युवक नशे में धुत्त होकर घटना दिनांक को अपनी बाइक लेकर कर्मा चौक स्थित पेट्रोल पंप पेट्रोल डलवाने गए थे। पेट्रोल भरने के दौरान एक युवक बाइक से उतर गया। पेट्रोल पंप कर्मी पेट्रोल डाल रहा था। इस दौरान बाइक से नीचे उतरा युवक सिगरेट निकालकर लाइटर से जलाने लगा।

मना करने पर जलता लाइटर फेंका

युवक लाइटर से सिगरेट जला रहा था। इस दौरान बाइक में पेट्रोल डाल रहे पंप कर्मी ने युवक को सिगरेट जलाने से मना किया। इस पर नशे में धुत्त युवक आक्रोषित हो गया और सिगरेट जलाने के बाद उसने जलता लाइटर बाइक की टंकी में फेंक दिया। आग के संपर्क में आने से बाइक धू-धूकर जलने लगी। आग की चपेट में आने से पेट्रोल पंप मशीन का नोजल भी तेजी से जलने लगा। पंप कर्मी ने सतर्कता दिखाते हुए नोजल तथा बाइक में लगी आग पर काबू पाया। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ तौर पर दिख रहा है कि आग कितनी तेजी से फैल रही थी। फूटेज में बाइक में सवार युवक अपने साथी को धक्का देते दिख रहा है।

पेज 11 के शेष ...

मरकर भी सुकून नहीं...

मुर्दाघर में सड़ रही हैं। इस संबंध में मोक्ष श्रद्धांजलि ने कलेक्टर को पत्र लिख कर लावारिश मुर्दों को दफनाने जगह उपलब्ध कराने की मांग की है। मोक्ष श्रद्धांजलि के संचालक सैयद जमीर अली ने बताया कि लावारिश लाशों को सम्मान पूर्वक दफनाने शासन ने उन्हें वर्ष 2013 में जोरा में 70 डिसमिल जगह आबंटित कराई थी। इसके बाद वर्ष 2019 में 80 डिसमिल के आसपास जगह आबंटित कराई गई। जमीर अली के अनुसार हर माह जिलेभर से 20-25 लावारिश लाशों का उनका संस्थान अंतिम संस्कार करता है। वर्तमान में हालत ऐसी हो गई है कि पोस्टमार्टम किए गए लावारिश शवों को दफनाने उनके पास एक इंच जगह नहीं है।

अंतिम संस्कार की लाइन...

कफन दफन के इंतजार में लाश अस्पताल के मुर्दाघर में सड़ने की स्थिति में पहुंच गई हैं, जिनका जल्द से जल्द अंतिम संस्कार करना होगा। प्रशासन के अधिकारियों से जमीन आबंटित करने उनके द्वारा पत्र लिखा गया, तो प्रशासनिक अधिकारी उन्हें पुरानी कब्र खोद कर लाश दफनाने के लिए कहते हैं। पुरानी कब्र खोदने पर मानव कंकाल के साथ उनकी हड्डी निकलती है। इसके कारण नई लाश को दफन करने उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इसलिए सुरक्षित जगह....

से अन्य तरह का मेडिकल परीक्षण करने कब्र खोदकर दोबारा निकालना पड़ता है। इसलिए लावारिश लाशों का कफन दफन करने अलग सुरक्षित जगह की जरूरत पड़ती है।

दसवीं पास डॉक्टर! खुद ...

साथ ठगी की है, उनमें ठगी का मास्टर माइंड नरेश अपने आपको दिल्ली पोस्ट ऑफिस का डायरेक्टर बताता था। जालसाजों ने जिन लोगों को ठगी का शिकार बनाया है, उन लोगों को पोस्ट ऑफिस का फर्जी नियुक्ति पत्र पोस्ट किया है।

ठगी करने खोला था....

का लोगो लगा लिया था। लोगों के साथ बड़ी ठगी कर पाता, इसके पूर्व बैंक को इस बात की जानकारी मिल गई। पुलिस ने नरेश सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। घटना दो वर्ष पूर्व 2024 की है।

शराब रिश्वतखोरी में आबकारी....

पूर्वक अवैध भुगतान किया जाता था तथा भुगतान का एक निश्चित हिस्सा कमीशन के रूप में रिश्वत प्राप्त किया जाता था। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जप्त की गई राशि मैन पावर एजेंसी ईगल हंटर सॉल्यूशन लिमिटेड एवं अलर्ट कमांडोज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा दी जाने वाली रिश्वती रकम थी, जिसे तत्कालीन उप महाप्रबंधक तक पहुंचाया जाना था।

डीएमएफ घोटाला के आरोप में कारोबारी गिरफ्तार...

प्रक्रिया की अनदेखी की। इस सिंडिकेट में शासकीय अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी आदि थे। ब्यूरो सूत्रों ने बताया कि सतपाल एक होटल संचालक का बिजनेस पार्टनर है। सतपाल पर आरोप है कि उसने कई करोड़ के अवैध कमीशन को नकद एवं अपने नातेदारों के बैंक खातों में प्राप्त किया। जांच के दौरान वित्तीय लेन-देन, डिजिटल साक्ष्य तथा संबंधित दस्तावेजों की गहन जांच की गई, जिसमें छाबड़ा की संलिप्तता के पर्याप्त प्रमाण प्राप्त हुए।

वित्त मंत्री का एआई जनरेटेड वीडियो दिखाकर...

मंत्री कह रही थीं कि देश में बेरोजगारी बढ़ रही है, हम एक स्कीम लेकर आएंगे, जिसके तहत बेरोजगारों को प्रति दिवस एक से दो हजार रुपए प्राप्त होंगे तथा इससे बेरोजगारी भी दूर की जा सकती है। वीडियो देखने के बाद पुखराज ने उसे रजिस्टर्ड कर लिया।

महिला सशक्तिकरणः अब महतारी सदन का निर्माण करेंगी ग्राम पंचायतें

रायपुर। ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और पंचायतों को अधिक अधिकार देने की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत डिप्टी सीएम विजय शर्मा की पहल पर अब महतारी सदनों का निर्माण कार्य के लिए क्रियान्वयन एजेंसी के रूप में ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है। लंबे समय जनप्रतिनिधियों की मांग थी। निर्णय से पंचायतों की भूमिका और जिम्मेदारी बढ़ेगी, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों के लिए सशक्त मंच उपलब्ध होगा।

आकांक्षा को मिली पीएचडी उपाधि

रायपुर। हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय दुर्ग ने आकांक्षा साहू को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उनके शोध का विषय छत्तीसगढ़ शासन की नरवा, गरुवा, घुरवा और बाड़ी योजना का राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में योगदान का एक अध्ययन (दुर्ग जिले के विशेष संदर्भ में) था। उन्होंने अपना शोधकार्य सुराना कॉलेज दुर्ग के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. डीएन सूर्यवंशी के निर्देशन में पूरा किया। विश्वविद्यालय में आयोजित पीएचडी वायवा में बाह्य परीक्षक के रूप से प्रो. सोहन काशीकर आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय (महाराष्ट्र) से थे।

भू-अभिलेख नामांतरण के 21 हजार से अधिक मामले लंबित, 3 माह से एक साल तक पुराने केस

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ में जमीन जायदाद के नामांतरण के मामलों में सुनवाई में लेट-लतीफी का आलम ये है कि चालू राजस्व वर्ष 2025-26 में ही 21 हजार से अधिक प्रकरण लंबित हैं। ये सभी मामले 3 माह से लेकर एक साल तक से लंबित हैं। खास बात ये है कि नियम के मुताबिक अविवादित मामलों में 3 माह और विवादित मामलों में 6 माह ने निराकरण करने का आदेश है। जिन लोगों को जायदाद का नामांतरण अपने नाम करवाना है, वे इस लंबित मामलों को लेकर बेहद परेशान हैं।

राज्य में राजस्व विभाग के लंबित मामलों के निराकरण के लिए सरकार उच्च स्तर से कई बार और बार-बार निर्देश आदेश जारी किए जाते रहे हैं, लेकिन इस काम के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर लगता है अब तक कोई असर नहीं हो रहा है।एक नजर नामांतरण के लंबित मामलों परराज्य में चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में भू-अभिलेखों के नामांतरण के कुल 37 हजार 942 प्रकरण दर्ज है। इनमें से 16 हजार 539 केस का निराकरण हो चुका है। लंबित मामलों की कुल संख्या 20 हजार 735 है। इसमें स्थगित प्रकरणों को जोड़ दिया जाए तो यह संख्या 668 को जोड़ने पर कुल मामलों की संख्या 21 हजार 403 होती है।

अंतिम आदेश पारित करना आवश्यक है- राजस्व सचिवः इस संबंध में राजस्व सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले का कहना है कि इन प्रकरणों में अंतिम आदेश पारित होना आवश्यक है। उन्होंने माना कि राज्य में नामांतरण के लंबित प्रकरणों की संख्या काफी अधिक है। सचिव ने कहा है कि वे लंबित मामलों की कड़ाई से समीक्षा करवाएंगी।

रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, सरगुजा में सबसे अधिक मामले पेंडिंग

तीन माह से लेकर एक साल से हैं लंबित

राज्य शासन के नियम के मुताबिक नामांतरण के अविवादित मामलों का 3 माह में निराकरण होना चाहिए। विवादित प्रकरणों के लिए यह समय सीमा 6 माह तक रखी गई है। अब तीन माह से लंबित मामले 6 हजार 800 है। तीन से छह माह से लंबित 3 हजार 790 केस हैं, जबकि एक साल से अधिक समय से लंबित मामले 8 हजार 317 हैं। इस हिसाब से अंदाजा लगाया जा सकता है कि राजस्व न्यायालयों में राजस्व प्रकरणों की सुनवाई का क्या हाल है।

सबसे अधिक लंबित मामले रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर में

अब अगर बात की जाए कि नामांतरण के सबसे अधिक मामले किस जिले में लंबित है, तो इस मामले में रायपुर जिला प्रदेश में 1499 प्रकरणों के साथ सबसे आगे है। दूसरे नंबर पर दुर्ग जिला है, जहां 1180 प्रकरणों का निराकरण नहीं हो पाया है। तीसरे नंबर पर बिलासपुर जिला है जहां 1080 के लंबित है। यही नहीं सरगुजा में भी 1 हजार 10 केस हैं, इनके अलावा राज्य का कोई जिला बाकी नहीं है जहां इस प्रकार के लंबित केस नहीं है।

आटो नामांतरण का क्या हुआ

राज्य में यह व्यवस्था भी है कि जमीन, मकान की बिक्री संबंधी दस्तावेज की रजिस्ट्री होने के बाद ऑटोमेटिक सिस्टम से नामांतरण होता है। लेकिन राज्य भर में जितनी संख्या में ये मामले लंबित है, उन्हें देखते हुए नहीं लगता है कि नामांतरण आटोमेटिक हो रहा है।कलेक्टर और पंचायतों को है अधिकार जानकार सूत्रों के अनुसार नामांतरण संबंधी मामलों में कलेक्टर को अधिकार दिया गया है। कलेक्टर का दायित्व ये भी है कि वे अपने अधीन राजस्व अधिकारियों की हर तीन माह में बैठक लेकर मामलों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा करें। लेकिन ये काम किस तरह हो रहा है, ये साफ नहीं है। जबकि कलेक्टर के मूल काम में ये विषय शामिल है। नामांतरण के मामलों में सरकार ने पंचायतों को भी अधिकार दिया है, लेकिन पंचायतें इसका उपयोग नहीं कर रही हैं।

खबर संक्षेप

स्वामी कैलाशानंद गिरि से भेंट कर लिया आशीर्वाद

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद के प्रमुख पदाधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि महराज से भेंट कर आशीर्वाद लिया। यह मुलाकात मैग्नेटो सिगनेचर होम्स क्लब हाउस रायपुर में हुई। इस दौरान कैलाशानंद गिरि महराज ने ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों को सनातन धर्म पर ज्ञान एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेशाध्यक्ष अरविंद ओझा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गुणनिधि मिश्रा, महासचिव द्वय अजय अवस्थी, डॉ. सुनील कुमार ओझा एवं प्रदेश सचिव राम तिवारी के अलावा कार्यक्रम के आयोजक सुशील ओझा और परिवार उपस्थित थे।

पंडरी की महिलाओं ने अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति दिखाई जागरूकता

रायपुर। महिला सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों को केंद्र में रखते हुए उत्कल महिला महामंच द्वारा "मिशन महिला शक्ति अभियान" चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को यह अभियान पंडरी क्षेत्र में महिलाओं के बीच पहुंचा, जहां बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता दिखाई। अभियान के दौरान श्रीमती जगत ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि "महिलाएं उठो, जागो और आगे बढ़ो। यह समय घर की चारदीवारी में सीमित रहने का नहीं, बल्कि अपने सामर्थ्य को पहचानकर समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का है। देश और समाज की तरक्की के लिए महिलाओं का मुख्यधारा में आना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही आत्मनिर्भरता, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार एवं आत्मरक्षा के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। उत्कल महिला महामंच का यह अभियान 8 मार्च तक निरंतर जारी रहेगा, जिसका उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास, जागरूकता और नेतृत्व क्षमता का विकास करना है, ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग होकर समाज में सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें।

प्रदेशभर में 400 ब्लाक समन्वयक, 300 मितानिन हेल्प डेस्क फेसिलेटर परेशान

मितानिन हेल्प डेस्क फेसिलेटर, ब्लाक समन्वयकों को 4 माह से मानदेय नहीं मिला, एनएचएम कार्यालय में किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

प्रदेश स्वास्थ्य मितानिन संघ के आव्हान पर प्रदेशभर के मितानिन हेल्प डेस्क फेसिलेटर और ब्लाक समन्वयकों ने नवा रायपुर के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय का घेराव करते हुए प्रदर्शन किया। इनका कहना है कि पिछले 4 महीने से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है, जिससे सैकड़ों ब्लाक समन्वयक और मितानिन हेल्प डेस्क फेसिलेटर के सामने आर्थिक संकट की स्थिति निर्मित हो गई है। भुक्तभोगी कर्मचारियों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रबंध संचालक के नाम ज्ञापन सौंपा।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से जुड़े मितानिन हेल्प डेस्क फेसिलेटर और ब्लाक समन्वयकों का चार माह से मानदेय भुगतान नहीं होने से कर्मचारियों में आक्रोश बना हुआ है। संध के प्रदेश अध्यक्ष सरोज सिंह सेंगर और प्रदेश महासचिव चंद्रकिशोर वासनिक के नेतृत्व में लामबंद कर्मचारियों ने नवा रायपुर स्थित एनएचएम कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। भुक्तभोगी कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें समय पर मानदेय का भुगतान किया जाए, मुख्यमंत्री द्वारा उदघाटित नवा सौगात योजना के माध्यम से सीधे एनएचएम रायपुर या मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा सीधे संबंधित कर्मचारियों के खाते में मानदेय की लंबित राशि का भुगतान किया जाए। प्रदेश भर में करीबन 400 ब्लाक समन्वयक और 300 मितानिन हेल्प डेस्क फेसिलेटर हैं , जिनका पिछले 4 माह से मानदेय लंबित है।

कृषि-पशु सखियों को पुलिस ने कलेक्टोरेट से पहले रोका

एनएलएम बिहान योजना में प्रदेशभर में कार्यरत कृषि एवं पशु सखी संघ की महिलाएं गुरुवार को रायपुर पहुंचीं। वे अपनी मांगों को लेकर राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने कलेक्टोरेट जा रही थीं, इस दौरान पुलिस ने उन्हें राजीव गांधी प्रतिमा के सामने रोक दिया। महिलाएं बस में सवार होकर राजधानी पहुंची थीं, पुलिस ने केवल 4 प्रतिनिधि को ही जाने की अनुमति दी। कृषि व पशु सखियों ने राजीव गांधी चौक में प्रदर्शन किया। इनका नेतृत्व स्कीम वर्कस फेडरेशन ऑफ इंडिया की प्रांताध्यक्ष ऐश्वर्या राय, महासचिव रामेश्वरी राजपूत ने किया। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने बताया कि वे केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं को ग्रामीण स्तर पर क्रियान्वित करती हैं, इसके अलावा उनसे कई अन्य विभागों का कार्य करवाया जाता है। पर उन्हें केवल 1910 रुपए मानदेय दिया जाता है, जबकि इससे अधिक राशि विभाग के काम करने में खर्च हो जाती है। उन्हें अपने व्यक्तिगत मोबाइन में भी ऑनलाइन काम करना होता है। कृषि- पशु सखी महिलाओं ने सम्मानजनक मानदेय देने की मांग की है। इसके साथ ही नियुक्ति पत्र देने, मानदेय की राशि सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर करने की मांग उन्होंने की।

मध्यान्ह भोजन रसोइया संयुक्त संघ का धरना

छत्तीसगढ़ स्कूल मध्यान्ह भोजन रसोइया संयुक्त संघ के आव्हान पर प्रदेश भर के मध्यान्ह भोजन रसोइया अपने 3 सूत्रीय मांगों को लेकर नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर प्रदेश स्तरीय आंदोलन पर हैं। रसोइयों को कलेक्टर दर मानदेय भुगतान की मांग, छात्र-छात्राओं की संख्या कम होने पर रसोइयों को निकालने की प्रवृत्ति को तत्काल बंद करने और अंशकालीन रसोइया को पूर्णकालिक करने की मांग करते हुए प्रदेश भर के रसोइया तूता में धरना दे रहे हैं। संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामराज कश्यप का कहना है कि बढ़ती महंगाई में 65 रुपए की मानदेय पर गुजारा करना मुश्किल हो रहा है।

मंत्रालय घेरने निकले सीएएफ वेटिंग अभ्यर्थी, भेजा गया जेल

छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 2018 परीक्षा की प्रतीक्षा सूची वाले अभ्यर्थी गुरुवार को नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल से मंत्रालय घेरने की मंशा से बाहर निकले। इस दौरान वहां मौजूद पुलिस प्रशासन ने उन्हें रोक लिया। इस बीच प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच बहस भी हुई। पुलिस ने अभ्यर्थियों सहित उनके परिजनों को समझाइश दी पर अभ्यर्थी मंत्रालय जाने के नाम पर अड़े रहे। उनका कहना था कि सात साल से वे छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल में नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं, पर अब तक उन्हें नियुक्त नहीं मिल पाई है। प्रदेशभर में ऐसे अभ्यर्थियों की संख्या 417 है, जिनकी वेटिंग लिस्ट अब तक क्लीयर नहीं हो पाई।

दरअसल, गुरुवार की सुबह छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल परीक्षा 2018 के प्रतीक्षा सूची वाले अभ्यर्थी तूता स्थित धरना स्थल से मंत्रालय घेराव के लिए निकले, पुलिस ने उन्हें धरना स्थल के एंट्री गेट के पास रोक दिया। इससे प्रदर्शनकारी बिफर उठे। लंबी बातचीत और समझाइश का दौर चला, लेकिन प्रदर्शनकारी नहीं माने। इसके बाद पुलिस ने दबावपूर्वक उन्हें बस में भरकर सेंट्रल जेल ले आई। करीब 50 से अधिक अभ्यर्थी को जेल भेजा गया। धरना स्थल पर सीएएफ परीक्षा के वेटिंग कैंडिडेट के अलावा उनके परिजन भी धरना प्रदर्शन में शामिल हुए हैं।

तूता स्थित धरना स्थल पर छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल प्रतीक्षा सूची वाले अभ्यर्थियों ने किया प्रदर्शन

सीट खाली, लेकिन वेटिंग लिस्ट क्लीयर नहीं

छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल परीक्षा 2018 के प्रतीक्षा सूची अभ्यर्थियों का कहना है कि 7 साल पहले जब भर्ती आई थी, तब मेरिट लिस्ट के बाद प्रतीक्षा सूची जारी की गई थी। मेरिट लिस्ट में शामिल युवाओं की भर्ती कर ली गई, पर प्रतीक्षा सूची वाले 417 अभ्यर्थी अब भी नौकरी के इंतजार में हैं। इनमें से कुछ अभ्यर्थी ऐसे भी हैं जो ओवर एज हो गए। प्रभावित अभ्यर्थी मुख्यमंत्री से लेकर गृहमंत्री तक गुहार लगा चुके हैं, इसके बाद भी उनकी सुनवाई नहीं हो पाई।

राशन दुकान का औचक निरीक्षण

कलेक्टर ने दिए मृत सदस्यों के नाम काटने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

कलेक्टर गौरव सिंह ने गुरुवार को जिले के ग्राम कांदुल स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दुकान में उपस्थित ग्राहकों के राशन कार्डों की जांच भी की। इससे पता चला कि कुछ सदस्यों की मृत्यु हो चुकी है, लेकिन उनके नाम कार्ड से काटे नहीं गए हैं। कलेक्टर ने इसके बाद पंचायत सचिव एवं पटवारी को मृत सदस्यों के नाम की जांच कराकर कटवाने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान उन्होंने चावल, शक्कर एवं नमक के स्टॉक की भी जानकारी ली।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान यह भी निर्देश दिए है कि प्रत्येक बीपीएल कार्ड के धारक की भी जांच करें कि वह उसके दायरे में आता है या नहीं। इस निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, एसडीएम नंद कुमार चौबे, तहसीलदार राकेश देवांगन, जनपद सीईओ धरसींवा आशीष केशरवानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एक हजार से अधिक मृत सदस्यों के नाम हटाए गए

उल्लेखनीय है कि रायपुर जिले में पिछले सालभर में राशन कार्डों के भौतिक सत्यापन के दौरान एक हजार से अधिक मृत सदस्यों के नाम की पहचान की गई हैं। इन सभी मृत सदस्यों के नाम राशन कार्ड से कटवा दिए गए हैं। हालांकि इसके बाद भी कई कार्ड में अभी भी मृत सदस्यों के नाम शामिल हैं, जिनके नाम पर कई लोग अभी भी राशन दुकान से चावल उठा रहे हैं।

बीटीआई ग्राउंड पर आज से सेंट्रल इंडिया का सबसे बड़ा ट्रेड महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

कैट के तत्वावधान में 20 से 24 फरवरी तक सेंट्रल इंडिया के सबसे बड़े ट्रेड महोत्सव का आगाज शंकर नगर के बीटीआई ग्राउंड पर होने जा रहा है। इसमें चार भव्य डोम, थीम आधारित पेवेलियंस और आकर्षक संरचनाएं आकर्षण का केन्द्र रहेंगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की गरिमामय उपस्थिति में कैट के नेशनल ट्रेड एक्सपो का 24 फरवरी को समापन होगा। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि कैट के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट कर उन्हें इस भव्य व्यापारिक आयोजन में शामिल होने आमंत्रित किया है। श्री साय ने नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 के पोस्टर का विमोचन किया और एक्सपो के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहने की सहमति प्रदान की। उन्होंने ष्ट्रीय स्तर के व्यापारिक आयोजन के लिए कैट और आयोजक टीम को बधाई दी। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को एक्सपो की पूरी रूपरेखा, उद्देश्य तथा इसके माध्यम से देशभर के व्यापारियों, उद्यमियों और स्टार्टअप्स को मिलने वाले अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने अवगत कराया कि यह एक्सपो व्यापार एवं उद्योग को नई दिशा देने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मानचित्र पर एक सशक्त पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

- सीएम विष्णु देव साय की उपस्थिति में 24 को कैट नेशनल ट्रेड एक्सपो का समापन

सीएम ने कहा- अत्यंत उपयोगी आयोजन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 जैसे आयोजन राज्य के व्यापार, उद्योग और रोजगार संवर्धन के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। ऐसे मंच वोकल फॉर लोकल और "आत्मनिर्भर भारत" के संकल्प को मजबूती प्रदान करते हुए स्थानीय उद्यमियों, लघु उद्योगों एवं व्यापारियों को नए बाजारों से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ के आर्थिक विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगा। कैट के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

स्कूल शिक्षा विभाग 5 हजार पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी करेगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सहायक शिक्षक, शिक्षक, व्याख्याता एवं सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के कुल 5000 पदों पर भर्ती का विज्ञापन शीघ्र ही जारी किया जा रहा है। शासन ने परीक्षा आयोजन के लिये छत्तीसगढ़ व्यापम को अधिकृत किया है एवं विभाग द्वारा विज्ञापन जारी करने संबंधी सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण कर आवश्यक प्रपत्र व्यापम को उपलब्ध करा दिया गया है। इसके साथ ही सीधी भर्ती 2023 की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ सरकार स्कूल शिक्षा विभाग में 5,000 से अधिक पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया फरवरी 2026 में शुरू करने जा रही है। इन पदों के लिए चयन व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद, यह भर्ती राज्य के विभिन्न स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए की जा रही है। शिक्षा विभाग के इस फैसले से राज्य भर के सरकारी स्कूलों में टीचरों की कमी को दूर करने में मदद मिलेगी। भर्ती प्रक्रिया के बारे में डिटेल्ड गाइडलाइंस आने वाले दिनों में जारी की जाएगी।

- हजारों युवाओं को मिलेगा सरकारी नौकरी में अवसर

शिक्षा व्यवस्था होगी मजबूत

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती के माध्यम से न केवल हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि शिक्षा व्यवस्था भी मजबूत होगी। खास बात यह है कि इसमें व्याख्याता, शिक्षक, सहायक शिक्षक और प्रयोगशाला सहायक जैसे कई पद शामिल किए जा रहे हैं, जिससे अलग-अलग योग्यता वाले उम्मीदवारों को अवसर मिलेगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षक सीधी भर्ती 2023 अंतर्गत सहायक शिक्षक पद के पांचवें चरण की भर्ती प्रक्रिया में न्यायालय के निर्देशानुसार सेवा समाप्त किये गये 2621 बीएड अर्हताधारियों के स्थापन पर डीएड अर्हताधारियों अभ्यर्थियों को नियुक्ति का अवसर प्रदान किया गया है।

एक दशक बाद मंत्रालय संघ को शासन से मिली मान्यता

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

लगभग एक दशक के लंबे अंतराल बाद मंत्रालय संघ को राज्य शासन द्वारा पुनः मान्यता प्रदान की गई है, जिसे मंत्रालयीन कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस मान्यता से कर्मचारियों की समस्याओं, सुझावों एवं सेवा संबंधी विषयों को अब शासन स्तर पर संस्थागत रूप से प्रस्तुत करने का मार्ग प्रशस्त होगा तथा शासन और कर्मचारियों के बीच संवाद प्रक्रिया और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ हो सकेगी।

संघ के पदाधिकारियों ने इस निर्णय के लिए राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह मान्यता कर्मचारियों के हितों की रक्षा एवं उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने कहा कि संघ सदैव नियमों के अनुरूप, सकारात्मक एवं रचनात्मक संवाद के माध्यम से कर्मचारियों के हितों के संरक्षण तथा प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कार्य करता रहेगा। संघ द्वारा अपने सभी सदस्यों से संगठन की एकजुटता बनाए रखने तथा सेवा हित एवं प्रशासनिक गरिमा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की गई है।

साइंस कॉलेज मैदान में चार दिवसीय जाणता राजा नाटक का भव्य आगाज

जाणता राजा में छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य और हिंदवी स्वराज्य की गौरवगाथा की दिखी झलक

साइंस कॉलेज मैदान में चार दिवसीय जाणता राजा नाटक मंचन का भव्य आगाज हुआ। गुरुवार को बाबासाहेब पुरंदरे द्वारा लिखित जाणता राजा नाटक का भव्य मंचन रात 8 बजे से शुरू हुआ। छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के तत्वावधान में आयोजित इस नाटक को लेकर दर्शकों में खासी उत्साह दिखी। मैदान पर नाट्य मंचन के लिए भव्य सेट तैयार किया गया।

जाणता राजा एक ऐसा शासक है, जो अपनी प्रजा के दुख-सुख को समझता है, न्यायप्रिय है और राष्ट्र रक्षा के लिए समर्पित है। छत्रपति शिवाजी महाराज के असाधारण जीवन पर आधारित एक प्रसिद्ध, भव्य ऐतिहासिक महानाट्य है, जो उनके बचपन, वीरता, युद्ध नीति और स्वराज स्थापना को दर्शाता है। यह नाटक शिवाजी महाराज के बचपन, मावलों यानी साथियों के साथ मिलकर किले जीतने अफजल खान के वध, आगरा से चतुर पलायन और राज्याभिषेक तक की प्रमुख घटनाओं को सजीव दृश्य प्रस्तुत किए। इस महानाट्य में कलाकार, लाइव हाथी, घोड़े और ऊंटों का प्रयोग से शिवाजी के युग को जीवंत किया। यह नाटक ऐतिहासिक तथ्यों, वीर गाथाओं और शिवाजी के राष्ट्रधर्म की सीख को पीढ़ियों तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है। यह नाटक न केवल एक इतिहास है, बल्कि शिवाजी महाराज के व्यक्तित्व का उत्सव है, जो आज भी भारत में लाखों लोगों को प्रेरित करता है।

रायपुर। योगेश शिरोले के निर्देशन में शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित इस ऐतिहासिक नाटक में लाइव घोड़े, पारंपरिक नृत्य और शानदार प्रकाश व्यवस्था के साथ स्थानीय कलाकारों की भावपूर्ण अभिनय ने पहले दिन ही इसे खास बना दिया। नाट्य मंच पर छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य और हिंदवी स्वराज्य की स्थापना की गौरवशाली गाथा को जीवंत देख दर्शकों को आंदोलित किया। नाटक की भव्य मंच, सजीव दृश्य और पारंपरिक प्रस्तुतियों के साथ दर्शकों को ऐतिहासिक काल का अनुभव कराया। वहीं नाट्य कलाकारों ने अपने भावपूर्ण अभिनय से छत्रपति शिवाजी महाराज को मंच पर जीवंत किया। हिंदवी स्वराज्य की स्थापना की अद्भूत शौर्य, पराक्रम के दृश्यो ने दर्शकों में राष्ट्रप्रेम की चेतना फूक दी। पहले दिन नाटक को देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय दर्शक, नाट्य प्रेमी पहुंचे।

जन्म, युवावस्था और राज्याभिषेक के दृश्यों ने बांधे रखा

नाटक में कव्वाली नृत्य, पोवला, कोली गीत, दिंडी नृत्य और घाघर फूंकने जैसे पारंपरिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। वहीं कॉलेज छात्राओं के साथ प्रौढ़ महिलाओं का तालमेल और ऊर्जा देखने लायक रही। नाटक में शिवाजी महाराज के जन्म, युवावस्था और राज्याभिषेक जैसे महत्वपूर्ण दृश्यों की बहुत ही सजीवता से मंच पर प्रस्तुति ने दर्शकों को बांधे रखा।

घोड़ों और सैनिकों की टोली ने किया रोमांचित

मंचन के दौरान दर्शक घोड़ों के साथ सैनिकों की टोली और शिवाजी महाराज के पराक्रम के जीवंत दृश्य देख रोमांचित हुए। वहीं शाही महल के सेट और राजकीय वेशभूषा में कलाकार हुबहू छत्रपति शिवाजी महाराज के युग में दर्शकों को ले गए। पुणे से आए तकनीकी विशेषज्ञ कौशिक नाईक और वैभव जोशी के मंच सज्जा और प्रकाश व्यवस्था युद्ध के दृश्यों में सैनिक दल, हाथी-घोड़े के टापू और आवाज की बैग्राउंड म्यूजिक ने नाटक की प्रस्तुति को भव्य बना दिया। तकनीकी टीम के कमाल ने जाणता राजा नाटक को खास आकर्षक बनाया।

मराठा समाज द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जंयती पर निकाली भव्य बाइक रैली।

सिटी इवेंट

बिजली की खपत बढ़ी, 260 नवीकरणीय, 270 गैर-जीवाश्म और 35 गीगावाट सौर ऊर्जा से उत्पादन

रायपुर। एनआईटी में एमर्जिंग टेक्नॉलॉजिस एंड एप्लिकेशन इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संस्थान के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित किया गया। गुरुवार को इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन हुआ। सम्मेलन के मुख्य अतिथि बिद्यानंद झा ने भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र पर विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि भारत 2070 तक नेट-ज़ीरो उत्सर्जन लक्ष्य की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर है, जबकि ऊर्जा उत्पादन की मांग निरंतर बढ़ रही है। वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि कुल उत्पादन में से 260 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा से एवं 270 गीगावाट गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से प्राप्त हो रही है, जिसमें 35 गीगावाट का योगदान सौर ऊर्जा से है। वहीं आयोजन सचिव के रूप में डॉ. बैद्यनाथ बाग ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को एक मंच पर लाकर सतत विकास को बढ़ावा देना, नवाचारों का आदान-प्रदान करना एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आधुनिक युग में प्रभावी शोध को प्रोत्साहित करना है।

अमेरिका, ब्राजील और कनाडा से 82 शोधपत्र पहुंचे

डॉ. राजन कुमार ने एआई एवं मशीन लर्निंग में अनुकूली अनुकूलन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सम्मेलन को वैश्विक स्तर पर व्यापक स्तर पर प्रतिक्रिया मिली है। अमेरिका, ब्राजील और कनाडा सहित आईआईटी, एनआईटी एवं आईआईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से प्राप्त 257 शोधपत्रों में से इस सम्मेलन हेतु 82 का चयन किया गया है। इन शोधपत्रों को सम्मेलन के अलग-अलग सत्रों में विषय विशेषज्ञों ने पहले दिन प्रस्तुत किया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बिद्यानंद झा, कार्यकारी निदेशक कॉर्पोरेट ऑपरेशन सर्विसेज एनटीपीसी लिमिटेड उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में बिंबिसार नागर्जुन अधीक्षण अभियंता छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड एवं बलराम देवांगन, उपमहाप्रबंधक, एनटीपीसी मुख्यालय रायपुर शामिल रहे। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक डॉ. एनवी रमना राव निदेशक एनआईटी रायपुर रहे।

भक्ति गीतों पर शास्त्रीय नृत्य की अद्भुत प्रस्तुति, एनुअल फंक्शन में बांधा समां

प्रगति कॉलेज का एनुअल फंक्शन का भव्य आयोजन गुरुवार को हुआ। यह आयोजन शहीद स्मारक भवन में शाम 7 बजे से आगाज हुआ। स्टूडेंट्स ने एनुअल फंक्शन में विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांधा। प्रतिभागी स्टूडेंट्स ने भक्ति गीत-नृत्यों में भक्ति की शक्ति का अद्भुत प्रस्तुति से वातावरण को भक्तिमय बनाया। वहीं बॉलीवुड सांग्स, छत्तीसगढ़ लोकगीत-नृत्य, राजस्थानी, लावणी ग्रुप डांस और नृत्य नाटिका से सबका मन मोहा।

रायपुर। प्रतिभागी स्टूडेंट्स द्वारा मंच पर पारंपरिक कला प्रतिभा का कमाल का प्रदर्शन की दर्शकों व अतिथियों ने जमकर सराहना की। एनुअल फंक्शन का सभी छात्र-छात्राओं ने खूब एंजॉय किया। एनुअल फंक्शन में आखिर तक छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रस्तुति से उत्साह को बरकरार रखा। स्टूडेंट्स ने आयोजन में फैशन, एक्टिंग, सिंगिंग, डांस का जलवा बिखेरा। आकर्षक व पारंपरिक परिधानों में थीम बेस्ड गानों की खूबसूरत प्रस्तुति से शहीद स्मारक भवन का माहौल बन गया। इसके साथ ही अतिथियों का स्वागत कर कॉलेज के स्टाफ व शिक्षकों ने अतिथि परंपरा का शानदार रस्में निभाईं।

गीत-संगीत पर देर शाम तक झूमते रहे स्टूडेंट्स

एनुअल फंक्शन में गीत-संगीत के दौर ने ऐसा समां बांधा कि छात्र-छात्राएं देर शाम तक झूमते रहे। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज के शिक्षकों ने किया। छात्र-छात्राओं ने पार्टी थीम परिधानों में बॉलीवुड सांग्स, भक्ति गीतों पर जमकर धमाल मचाया।

लेफ्टिनेंट जनरल जिंदल को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

रायपुर। एम्स के कार्यकारी निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल को इल्यूमिनेट 3 में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह समारोह मुंबई में एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल द्वारा जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। यह सम्मान उन्हें सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा प्रशासन में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और विशिष्ट योगदान के लिए डॉ. सेवांति हिमाये निदेशक मेडिकल एवं प्रिसीजन ऑन्कोलॉजी एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल द्वारा दिया गया। अपने स्वीकृति संबोधन में लेफ्टिनेंट जनरल श्री जिंदल ने यह सम्मान एम्स रायपुर परिवार को समर्पित करते हुए संस्थान की उत्कृष्टता के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि एम्स रायपुर न केवल गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है, बल्कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्रों में शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों के मार्गदर्शन में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में लोकप्रिय अभिनेत्री एवं कैंसर सर्वाइवर हिना खान को भी सम्मानित किया गया। उन्होंने स्तन कैंसर की शीघ्र जांच और समय पर पहचान के महत्व पर प्रेरक संदेश दिया।

कार्नर न्यूज

राजधानी पहुंचीं बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा धूपिया की हरिभूमि से खास बातचीत

दो बच्चों के बाद अब मेकअप का समय नहीं मिलता, बुखार की तरह बदलता रहता है फैशन

हर व्यक्ति की आवाज उसके होने का एहसास कराती है। 'रोडीज' शो की तरह मेरा स्वभाव हमेशा सख्त नहीं है। हां, कभी शो हो या जिंदगी, थोड़ा सख्त होना पड़ता है। हर जगह आवाज उठाना जरूरी नहीं, लेकिन जहां जरूरत हो, वहां जरूर बोलना चाहिए। ये कहना है बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया का, जो गुरुवार को चौबे कॉलोनी स्थित राहे फैशन शॉप के उद्घाटन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची थीं। हरिभूमि से खास बातचीत के दौरान नेहा ने फैशन पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, मुंबई जैसी मेट्रो सिटीज में रहने वाले लोगों को अक्सर लगता है कि डिजाइनर कपड़े केवल मुंबई या ऑनलाइन ही मिलेंगे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। रायपुर जैसे शहरों में भी मेट्रो सिटीज की टक्कर के डिजाइनर कपड़े उपलब्ध हैं। मुझे नहीं लगता कि तैयार होना केवल महिलाओं का काम है, बल्कि पुरुषों को भी कई बार उतना ही समय लगता है। जब आप मुंबई से निकलकर दूसरे शहरों में जाते हैं तो महसूस होता है कि यहां लोगों के पास खुद के लिए वक्त है, चाहे वह तैयार होना हो, सेलिब्रेशन हो या शादियों में जाना।

हर दिन अलग संस्कृति के परिधान

भारतीय डिजाइनर्स को लेकर नेहा ने कहा कि भारत में बेहतरीन डिजाइनर हैं, जो कपड़ों में हमारी संस्कृति को शामिल करते हैं। मैं खुद अलग-अलग राज्यों के डिजाइनर्स के कपड़े पहनना पसंद करती हूं। कभी कोलकाता, कभी पंजाब तो कभी महाराष्ट्र के डिजाइनर्स की बनाई ड्रेस पहनती हूं। कपड़ों का विविधता भरा होना और सही मैचिंग होना जरूरी है।

बच्चे होने के बाद समय बंटा, अब वक्त नहीं मिलता

'नो मेकअप लुक' पर खुलकर बात करते हुए नेहा ने कहा, दो बच्चे होने के बाद अब जितना कम मेकअप करना पड़े, उतना अच्छा है, क्योंकि वक्त ही नहीं मिलता। बच्चों से पहले मेरे पास काफी समय होता था, लेकिन अब मेरा समय बंटा हुआ है। अब अगर थोड़ा भी वक्त खुद को संवारने के लिए मिल जाए तो अच्छा लगता है। फैशन को परिभाषित करते हुए उन्होंने कहा कि मेरे लिए फैशन की कोई तय परिभाषा नहीं है। फैशन एक बुखार की तरह है, आज किसी एक डिजाइनर का क्रेज है तो कल किसी और का होगा। कपड़ों की दुनिया में यह बदलाव चलता रहता है।

सिटी लाइव

चेट्रीचंड्र महोत्सव : शारदा चौक पर सजाएंगे पंडाल, रक्तदान शिविर भी

रायपुर। चेट्रीचंड्र महोत्सव के लिए तैयारियों का सिलसिला शुरू हो गया है। इसे भव्य रूप देने के लिए सिंधु शक्ति संस्था के प्रमुख राजूभाई तारवानी को अध्यक्ष चुना गया है। संस्था ने गुरुवार को एक बैठक का आयोजन किया। जहां तय किया गया कि संस्था द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी भव्य सांस्कृतिक आयोजन किए जाएंगे। शारदा चौक पर संस्था द्वारा पंडाल लगाया जाएगा। मंच के पास ही रक्तदान शिविर भी लगाया जाएगा। इसमें प्रतिवर्ष लगभग 100 यूनिट रक्तदान लोगों का जीवन बचाने के लिए किया जाता है। लोगों के लिए भंडारा और रात में जुलूस का स्वागत मुंबई के कलाकारों द्वारा सिंधु शक्ति के बैनर तले किया जाता है। इसको लेकर विचार-विमर्श किया गया।

गतिविधियों की रूपरेखा बनाने के बाद अध्यक्ष तय

संस्था द्वारा एक दिन हीरापुर स्थित प्रेरणा नेत्रहीन बच्चों के आश्रम में उन्हें जीवनोपयोगी सामग्री, खानपान की वस्तुओं को वितरित किया जाता है। इस कड़ी में श्यामनगर स्थित वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को जरूरी सामग्री वितरित करते हुए उनसे संस्था के लोग आशीर्वाद लेने जाएंगे। महोत्सव से जुड़ी हर दिन की गतिविधियों की रूपरेखा बनाने के बाद बैठक में सर्वसम्मति से राजूभाई तारवानी को संस्था का अध्यक्ष चुना गया। इस पर सभी ने सहमति जताई। बैठक में सिंधु शक्ति के संस्थापक किशोर आहूजा, पूर्व अध्यक्ष मनोज डेंगवानी, अमर दौलतानी, रवि तेजवानी, गुरनामल रोहरा, संजय रामानी, शंकर पिंजानी, राकेश डेंगवानी प्रमुख रूप से शामिल हुए।

धर्म लाइव

104 बटुकों का जनेऊ संस्कार प्रत्येक के लिए होंगे एक आचार्य

रायपुर। सरयूपारीण ब्राह्मण समाज की पहल पर 104 बटुकों का निशुल्क जनेऊ संस्कार आगामी 21 फरवरी को तुलसी मानस भवन में किया जाएगा। इसकी तैयारी को अंतिम रूप देने के लिए गुरुवार को मीटिंग की गई। समाज के अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला ने बताया कि कार्यसमिति की बैठक में पांच समितियों का गठन किया गया है। पंजीयन के अध्यक्ष आरएल द्विवेदी ने बताया कि अंतिम तिथि पर 104 बटुकों ने पंजीयन कराया है। वीके मिश्रा को प्रशासनिक समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। प्रवक्ता संजय तिवारी ने बताया कि पिछले वर्ष 45 बटुकों का समाज ने जनेऊ संस्कार कराया था। इस बार 104 बटुकों का निशुल्क जनेऊ संस्कार वैदिक रीति-रिवाज से किया जाएगा। दो दिवसीय आयोजन को सफल बनाने के लिए 12 से अधिक दानदाता आगे आए हैं।

संत-महंत बटुकों को मंडप में देंगे आशीर्वाद

इस वर्ष प्रत्येक बटुक के लिए एक आचार्य होंगे। आचार्य यदुवंश मणि त्रिपाठी सहित तीन प्रधान आचार्य 21 फरवरी को मागरमाटी, मंडपाछादन एवं कलश स्थापना करते हुए आयोजन का शुभारंभ करेंगे। वहीं 22 को जनेऊ संस्कार, बारात एवं आशीर्वाद समारोह के साथ विधि-विधान से इस आयोजन को गति दी जाएगी। प्रवक्ता ने बताया कि बटुकों को दंडी स्वामी डॉ. इंदुभवानंद महाराज, राजेश्री महंत रामसुंदर दास महाराज आशीर्वाद प्रदान करेंगे। दूरदराज से आने वाले बटुकों के परिजनों का आगमन शुरू हो गया है। डॉ. सुरेश शुक्ला ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य कम खर्च में जनेऊ संस्कार करना ही नहीं, बल्कि वैदिक विधान और समाज के सहयोग से ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच संवाद स्थापित करना है।

समाज इवेंट

एम्स में प्रोजेक्ट स्टाफ नर्स के पदों पर निकली भर्ती, 26 तक आवेदन का मौका

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में प्रोजेक्ट स्टाफ नर्स के पदों पर भर्ती करने के लिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी किया गया है। जो उम्मीदवार एम्स दिल्ली में बतौर प्रोजेक्ट स्टाफ नर्स के रूप में नौकरी करना चाहते हैं। वे ऑनलाइन माध्यम से इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 26 फरवरी निर्धारित की गई है। सभी उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे तय समय से पहले आवेदन प्रक्रिया को अवश्य पूरा कर लें, अन्यथा उम्मीदवारों को बाद में मौका नहीं दिया जाएगा।

प्रतिमाह 20 हजार से 26 हजार तक वेतन : प्रोजेक्ट स्टाफ नर्स के पद पर चयनित उम्मीदवारों को प्रतिमाह 20,000 रुपए से लेकर 26,000 रुपए तक प्रतिमाह प्रदान किए जाएंगे। उम्मीदवारों का चयन इंटरव्यू के माध्यम से किया जाएगा। इसके साथ ही इंटरव्यू में शामिल हुए उम्मीदवारों को रिजल्ट की सूचना ईमेल के जरिये दी जाएगी। प्रोजेक्ट स्टाफ नर्स के पदों पर आवेदन करने के लिए इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवारों को अपना रिज्यूमे **jobrecruitmentaiims@gmail.com** पर ईमेल करना होगा। रिज्यूमे भेजने की अंतिम तिथि 26 फरवरी, 2026 निर्धारित की गई है। उम्मीदवार शाम पांच बजे तक अपना रिज्यूमे मेल कर सकते हैं।

कौन कर सकते हैं आवेदन

प्रोजेक्ट स्टाफ नर्स के पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों ने भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से तीन वर्षीय जनरल नर्सिंग एवं मिडवाइफरी किया हो।आवेदन करने के लिए उम्मीदवार ग्रेड-ए के रूप में पंजीकृत होना चाहिए। इसके साथ ही उम्मीदवारों के पास संबंधित क्षेत्र में एक साल का कार्यानुभ अनुभव होना चाहिए। उम्मीदवारों को कंप्यूटर का ज्ञान भी होना चाहिए।आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की आयु 30 वर्ष निर्धारित की गई है। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट भी प्रदान की जाएगी। एससी एवं एसटी उम्मीदवारों को आयु-सीमा में पांच वर्ष की छूट और ओबीसी उम्मीदवारों को तीन वर्ष की छूट दी जाएगी।

● शहर और ग्रामीण अंचल में भी फागुन की फुहार के बाद होली मिलन, फागोत्सव और प्रतियोगिताओं की श्रृंखला

गायब हो रही गली-मोहल्लों से फाग गीतों की परंपरा आयोजकों और गायकों ने बदला फागोत्सव का ट्रेंड

समय के साथ शहर ही नहीं ग्रामीण अंचल की बस्तियों और कॉलोनियों में भी फाग गीत गायन करने वाली टोलियों से जुड़े कलाकार भी आधुनिक स्टूमेंट्स के साथ होली मिलन, प्रतियोगिताओं और फागुन उत्सव के आयोजनों के लिए मिलने वाली बुकिंग के जरिए नए ट्रेंड से जुड़ने लगे हैं। परंपरा अब सिर्फ रस्म निभाने तक सिमट गई है। इसे निभाते हुए भावी पीढ़ी को फाग गीतों और उत्सव से जोड़ने के लिए स्टेज प्रोग्राम करने लगे हैं। अच्छी बात यह है कि अब महिलाओं की टोली भी सामने आने लगी है। पुरुषों की तरह कुछ टोलियों ने आधुनिक साजो-सामान के साथ उत्सव को फागोत्सव का रूप देना शुरू किया है।

रायपुर। शहर के नए और पुराने कलाकारों ने बताया कि अब नई टोलियों ने नगाड़ा के साथ आर्गन जैसे वाद्ययंत्रों के साथ फाग गायन की परंपरा शुरू हो गई है। अलग-अलग समाज के लोग, संस्थाओं और कर्मचारी संगठनों ने भी होली मिलन समारोह की श्रृंखला को सजाने के लिए पहले से बुकिंग कराना शुरू किया है। इससे पहले होली उत्सव को गली-मोहल्ले और कॉलोनियों में वहां रहने वाले युवाओं की टोली गीत-संगीत से परंपरा को निभाती थी। यह चलन विगत 8 से 10 साल में तेजी से भव्य आयोजनों का रूप लेने लगा। पुराने दौर के फाग गायकों का कहना है कि फागोत्सव का क्रम दो दशक पहले बसंत पंचमी से लेकर रंगपंचमी तक चलता था। इसे पहले उत्सव की तरह 45 दिन मनाया जाता था। समय के अभाव में परंपराएं सिमटने लगी हैं। टोलियों ने परंपरा को निभाने के लिए शहरी क्षेत्र में बुकिंग के माध्यम से भव्य स्टेज से प्रस्तुति देने लगे हैं।

युवाओं ने ग्रुप बनाकर काम करने शुरू किया

फाग-गीत गायन से जुड़े पुराने कलाकार अरुण यादव ने बताया कि आमापारा में रहते हुए शहरी क्षेत्र में तेजी से हुए बदलाव को देखा और अब फागोत्सव में रंग जमाने के लिए किए जाने वाले आयोजनों की श्रृंखला को भी देखता हूं। उन्होंने बताया कि अब युवाओं के साथ फाग-गीत गायन के लिए ग्रुप बनाकर काम करना शुरू किया है। इसके लिए प्रति टोली को 10 से ज्यादा बुकिंग मिलती है। उन्होंने बताया कि नए और पुराने कलाकारों को जोड़कर परंपराओं को निभाते हैं। युवाओं को इससे जोड़े रखने के लिए घर की छत पर तीन दिन फाग गायन करते हुए परंपरा निभाते हैं। यह सिलसिला होलिका दहन से दो दिन पहले शुरू होता है। जस और बजरंग बाल परिवार के युवा नगाड़े पर थाप देने वाले हैं।

अभी तक 30 से ज्यादा आयोजनों की बुकिंग

देवेंद्र नगर की महिलाओं ने जय मां चामुंडा बालिका सेवा भजन एवं फाग टोली बनाई है। इस टोली के बारे में किरण साहू ने बताया कि पहले 15 दिन फाग गीत गायन करते थे। नगाड़ा बजाने के लिए पुरुषों की मदद लेते हैं। अब फाग गीतों की टोलियों का चलन बदला है। लोग बड़े स्तर पर होली गीतों से जुड़ने और उत्सव को वृहद रूप देने के लिए भव्य स्टेज सजाने लगे हैं। इस बार भी 10 महिलाओं की टोली को अलगअलग समाज के लोगों और संस्थाओं ने 30 से ज्यादा आयोजनों के लिए बुकिंग करवाए हैं। आंचलिक गीत रंग डारो रंग डारो राधा बिचारी ल भरके रंग डारो.., मुख मुरली बजाए.., बरजे यशोदा मईया...जैसे फाग गीत गाते हुए उत्सव की परंपरा निभा रहे हैं।

होली के गीतों से सजाने लगे फागोत्सव

होली गीतों की प्रस्तुतियों से जुड़े कलाकार सुरेश ठाकुर ने बताया कि समय के साथ उत्सव को मनाने का तरीका भी बदला है। पहले गली-मोहल्ले और कॉलोनियों में होने वाले सामान्य आयोजनों ने अब भव्य स्वरूप ले लिया है। हर साल फाग गीत गायन से जुड़े ग्रुप को 10 से ज्यादा प्रोग्राम मिलते हैं। इसके लिए लोग त्योहार से पहले और बाद में भी संपर्क करते हैं। अब होली गीत गायन के लिए प्रतियोगिताओं का चलन भी बढ़ने लगा है। कुछ साल पहले तक इस तरह का चलन शहरी तक सीमित था, अब ग्रामीण क्षेत्र में भी फागोत्सव का ट्रेंड बढ़ने लगा है।

शहरवासियों की यादों से जुड़ रहा मॉल, शॉपिंग और लाइफस्टाइल के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन

रायपुर। छुट्टियों में मनोरंजन के लिए परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने मैग्नेटो मॉल परफेक्ट जगह बन चुकी है। महानगरों की तर्ज पर यह मॉल अब शॉपिंग और लाइफस्टाइल डेस्टिनेशन बन चुका है। मैग्नेटो मॉल के अब 16 साल पूरे हो चुके हैं। इस तरह लोगों के यादगार पलों का भी हिस्सा बन चुका है। रायपुर निवासी रुचि शर्मा बताती हैं कि बचपन में अपनी मम्मी के साथ यहां फ्रॉक लेने और आइसक्रीम खाने आती थी। आज 2026 में अपनी पहली सैलरी से मैंने अपनी मम्मी को साड़ी दिलाई। यह पल मेरे लिए बेहद खास है और इस याद का गवाह मैग्नेटो मॉल बना। इसी तरह भाई-बहन शुभम और शगुन की यादें भी मॉल से जुड़ी हैं। बचपन में गेम जोन और फूड कोर्ट में साथ बिताए गए पल आज भी उनके लिए उतने ही ताजा हैं। बड़े होने के बाद भी जब वे यहां आते हैं तो बचपन की वही हंसी और अपनापन लौट आता है।

लोगों को मिले नए ब्रांड्स, अनुभव

16वीं वर्षगांठ के अवसर पर मॉल प्रबंधन के डायरेक्टर प्रियांक सिंघानिया ने कहा कि अविनाश मैग्नेटो मॉल की इस यात्रा में हमारे दूरदर्शी साझेदारों और शहरवासियों का अमूल्य योगदान रहा है। बड़े सपनों से शुरू हुई यह कहानी आज शानदार सेल्स और अविस्मरणीय पलों के साथ नए मुकाम पर है। आगे हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत होगी। नए ब्रांड्स, नए अनुभव और लगातार नवाचार के साथ हम इस स्थान को और रोमांचक बनाए रखेंगे। सीओओ राज कुजूर और मार्केटिंग हेड आभा गुप्ता ने भी रायपुर और छत्तीसगढ़ की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ग्राहकों का विश्वास, प्यार और अपनापन ही इस 16 वर्ष की गौरवशाली यात्रा की असली पूंजी है।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव, महिला समिति का गठन

रायपुर। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव-2026 की महिला समिति का बुधवार को गठन हुआ। महोत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रेश शाह ने बताया कि महिला समिति की संयोजक साधना मूणत, सह-संयोजक कुसुम श्रीश्रीमाल, ममता पारख, ममता जैन, रूपल सांखला को नियुक्त किया गया है। श्री शाह ने बताया कि समिति और सकल जैन समाज के तत्वाधान में भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव-2026 का आयोजन किया जा रहा है। जैन समाज तैयारी में जुटा है और इसी क्रम में सभी की जिम्मेदारी तय की जा रही है। सभी विंग और प्रकोष्ठ के सहयोग से सारे कार्यक्रम सुचारू रूप से संचालित किए जाएंगे और आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न होगा।

इंडोर स्टेडियम में भजन क्लबिंग कीर्तन मंडलियों की होगी प्रस्तुति

सामाजिक चेतना मंच का 28 फरवरी को आयोजन, सीएम ने किया पोस्टर विमोचन

रायपुर। सामाजिक चेतना मंच के तत्वावधान में 28 फरवरी को रायपुर इंडोर स्टेडियम में भजन क्लबिंग का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के पोस्टर का विमोचन गुरुवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया। मुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को भारतीय संस्कृति, भक्ति और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण माधव रॉक बैंड है, जो अपनी ऊर्जावान रॉक और फ्यूजन शैली में भक्ति संगीत प्रस्तुत कर युवाओं को आध्यात्मिक चेतना से जोड़ने का कार्य करेगा। इस आयोजन में इस्कॉन का विशेष सहयोग प्राप्त है। इस अवसर पर इस्कॉन की प्रतिष्ठित कीर्तन मंडलियां भी अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों के माध्यम से पूरे वातावरण को कृष्ण भक्ति से सराबोर करेंगी। इस आयोजन को छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग एवं जनसंपर्क विभाग तथा इस्कॉन का विशेष सहयोग प्राप्त है।

फूलों की होली भी खेलेंगे

इस विशेष अवसर पर फूलों की होली भी खेली जाएगी, जो इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगी और पूरे वातावरण को भक्तिमय और उत्सवपूर्ण बना देगी। कार्यक्रम के आयोजक उज्जवल दीपक ने कहा कि भजन क्लबिंग युवाओं को भक्ति से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है। हमारा उद्देश्य है कि युवा भक्ति को आधुनिक अंदाज में अनुभव करें और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से गर्व के साथ जुड़ें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में "भजन क्लबिंग" और भक्ति से जुड़े नवाचारों की सराहना करते हुए कहा था कि जब युवा भक्ति को अपनी ऊर्जा और आधुनिक अभिव्यक्ति के साथ अपनाते हैं तो वह संस्कृति और आधुनिकता का अद्भुत संगम बन जाती है। प्रधानमंत्री की इसी प्रेरणा से राजधानी रायपुर में युवाओं के लिए एक अनूठा और ऐतिहासिक आध्यात्मिक-संगीत अनुभव "भजन क्लबिंग" के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

फैशन के दौर में आंखों और त्वचा की सुरक्षा को लेकर यूथ अवेयर :विशेषज्ञ

70 के दशक का फैशन लौटा, धूप-प्रदूषण से बचने सनग्लास का चश्मा-स्कार्फ व कैप का बढ़ा ट्रेंड

कार्नर न्यूज

यूथ अपने सीजनल फैशन को लेकर हमेशा अवेयर रहते हैं, क्योंकि स्टाइलिश दिखने के साथ-साथ धूप और प्रदूषण से बचना भी है। गर्मी का मौसम आते ही चश्मे और स्कार्फ का ट्रेंड तेजी से बढ़ने लगता है। इस सीजन ओवरसाइज और पारदर्शी फ्रेम वाले सनग्लास के चश्मे लोकप्रिय हो रहे हैं, जबकि सिल्क व कॉटन के स्कार्फ सिर या गले पर स्टाइलिश तरीके से लपेटकर या बोनट के रूप में पहने जा रहे हैं, जो धूप से राहत के साथ एक स्टाइलिश लुक देते हैं।

धूप में सनबर्न से बचने सुरक्षा आवरण बनाएं

स्किन विशेषज्ञ डॉ. मृत्युंजय सिंह का कहना है कि गर्मी के दिनों में लोगों में सनबर्न की समस्या बढ़ जाती है। इससे बचने धूप में निकलने से पहले अपने त्वचा की सुरक्षा के लिए स्कार्फ, कैप, ग्लब्स और त्वचा रोग विशेषज्ञों के परामर्श से स्कीन सनस्क्रीन का सुरक्षा आवरण बनाएं। साथ ही खानपान पर भी ध्यान रखना बहुत जरूरी है। गर्मी में पानी खूब पीएं, दही, खीरे, ककड़ी, हरी सब्जियों का सेवन करें, अधिक ऑयली व मसालेदार खाने से बचें।

रायपुर। गर्मी में चश्मे के प्रमुख ट्रेंड बड़े आकार के चश्मे 70 के दशक के फैशन को वापस ला रहे हैं, जो न्यू जेनरेशन यानी जेन-जी के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। कलर की बात करें तो पारदर्शी या हल्के रंगीन नीले, गुलाबी फ्रेम, जो स्टाइलिश दिखते हैं। एविएटर और विंटेज स्टाइल में सदाबहार एविएटर सनग्लास चश्मे इस बार भी ट्रेंड में हैं। रिफ्लेक्टिव और कलरलेस स्टाइलिश लुक के लिए रिफ्लेक्टिव लेंस का उपयोग किया जा रहा है, जो धूप के चकाचौंध को भी कम करते हैं। आईवियर चेन सनग्लासेस के साथ स्टाइलिश चेन का उपयोग फैशन के साथ-साथ सुविधा भी देता है। सुरक्षा और फैशन एक साथ चश्मे और स्कार्फ न केवल स्टाइल बढ़ाते हैं, बल्कि ये आंखों को हानिकारक किरणों से बचाने और चेहरे की त्वचा को धूप से बचाने में मदद करते हैं। गर्मी में अच्छे ब्रांडेड चश्मे चुनें जो अच्छी क्वालिटी के लेंस के साथ आते हैं।

यूवी प्रोटेक्शन या यूवी-400 सनग्लास ही करें इस्तेमाल

तेज धूप और बढ़ती गर्मी का असर सिर्फ शरीर पर ही नहीं, बल्कि आंखों पर भी गहराई से पड़ता है। इससे बचने आंखों के लिए सही चश्मे का चुनाव बेहद आवश्यक है। शहर के जाने माने नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. चारुदत्त कलमकर बताते हैं कि धूप में बाहर निकलते समय हमेशा 100 प्रतिशत यूवी प्रोटेक्शन या यूवी-400 वाला सनग्लास पहनना चाहिए। केवल गहरे रंग का चश्मा आंखों को सुरक्षित नहीं रखता, बल्कि बिना यूवी सुरक्षा वाला चश्मा आंखों को और अधिक नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए सनग्लास खरीदते समय उसकी गुणवत्ता जरूर जांचें। पोलराइज्ड लेंस वाले चश्मे तेज रोशनी की चकाचौंध को कम करते हैं और आंखों की थकान घटाते हैं। वहीं ऐसे फ्रेम का चयन करना चाहिए, जो आंखों को सामने के साथ-साथ किनारों से भी ढंके, ताकि धूल और गर्म हवा से बचाव हो सके।

हेल्थ टिप्स

बीपी के मरीजों को रोज-रोज दवा खाने से मिलेगी राहत

ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने के लिए सिर्फ दवाइयों पर निर्भर रहना काफी नहीं है। सबसे पहले डाइट में बदलाव जरूरी है। नमक का सेवन कम करें, क्योंकि ज्यादा सोडियम बीपी बढ़ाता है। नियमित फिजिकल एक्टिविटी ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में अहम भूमिका निभाती है।

हाई ब्लड प्रेशर दुनियाभर में तेजी से बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, इसका खतरा समय के साथ बढ़ता ही जा रहा है। विश्व स्वास्थ संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों से पता चलता है कि 2024 में दुनियाभर में 30-79 साल की उम्र के 1.4 बिलियन (140 करोड़) वयस्कों को हाइपरटेंशन की समस्या थी। ये आंकड़ा इस आयु वाले कुल लोगों का करीब 33% है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चों में भी हाइपरटेंशन की दिक्कत बढ़ती जा रही है, जो कम उम्र में ही उन्हें कई प्रकार की क्रॉनिक बीमारियों का शिकार बनाने वाली हो सकती है।

हाइपरटेंशन के शिकार मरीजों को डॉक्टर नियमित रूप से दवा लेते रहने की सलाह देते हैं, ताकि उन्हें ब्लड प्रेशर बढ़ने के कारण होने वाली समस्याओं जैसे हार्ट अटैक, स्ट्रोक, किडनी और आंखों की दिक्कतों से बचाया जा सके। मरीजों को जीवनभर ये दवाएं लेनी पड़ सकती हैं। ऐसे लोगों के लिए बड़ी राहत वाली खबर है। वैज्ञानिकों की टीम ने ऐसा तरीका ढूंढ लिया है जिसकी मदद से बिना दवाओं के भी आप ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रख सकते है। शोधकर्ताओं ने बीपी की दवाओं का विकल्प तलाश लिया है।

बिना दवाओं के कंट्रोल हो सकेगा ब्लड प्रेशर

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, दशकों से हर

दिन बिना गैप किए एक गोली खाते रहने को हाई बीपी का सबसे प्रभावी इलाज माना जाता रहा है। मरीजों को बीपी की दवाओं पर पूरी तरह निर्भर हो जाना पड़ता है। हालांकि अब ऐसे लोगों के लिए राहत वाली खबर सामने आ रही है। शोधकर्ताओं की टीम ने एक हालिया रिपोर्ट में बताया है कि जल्द ही रोजाना बिना दवा लिए भी आप ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रख पाएंगे। इसके लिए विकल्प के तौर पर एक इंजेक्शन की काफी चर्चा है, जिसे गोलियों की जगह साल में सिर्फ दो बार लेने से आप बीपी को कंट्रोल में रख पाएंगे। जिलेबेसिरन नाम के इस इंजेक्शन को विशेषज्ञ भविष्य के लिए काफी असरदार उपाय के तौर पर देख रहे हैं।

हाइपरटेंशन और कई गंभीर समस्याओं का कम होगा खतरा

द लैंसेट जर्नल में इस इंजेक्शन से बीपी को मरीजों को होने वाले फायदों के बारे में जानकारी दी गई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस खोज से हाइपरटेंशन को मैनेज करने का तरीका पूरी तरह बदल सकता है, खासकर ऐसे समय में जब दशकों से मौजूद दवाओं के बावजूद हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों की संख्या दुनियाभर में बढ़ती ही जा रही है। माना जा रहा है कि जिलेबेसिरन इंजेक्शन लंबे समय तक हाइपरटेंशन को कंट्रोल में रखने में मददगार हो सकती है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक के साथ किडनी-आंख की समस्याओं के खतरे को कम करने में भी मदद मिल सकती है। हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को अगर बेहतर तरीके से कंट्रोल कर लिया जाए तो इसके कारण होने वाली बीमारियों का बोझ भी स्वास्थ्य सेवाओं से कम किया जा सकता है।

कैसे काम करेगा ये इंजेक्शन?

इस इंजेक्शन को लेकर साझा की गई जानकारियों के मुताबिक फिलहाल ये अपने लेट-स्टेज ग्लोबल ट्रायल में हैं। साल में दो बार लगने वाले इस इंजेक्शन से हाई बीपी को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है। रोश और एल्नीलम फार्मास्यूटिकल्स द्वारा विकसित जिलेबेसिरन इंजेक्शन को साल में दो बार लगवाने की जरूरत होगी। इसमें लिवर में एंजियोटेंसिनोजेन के उत्पादन को कम करने के लिए स्मॉल इंटरफेरिंग आरएनए (सिरना) टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। एंजियोटेंसिनोजेन एक प्रोटीन है जो ब्लड प्रेशर रेगुलेशन के लिए जरूरी है। एंजियोटेंसिनोजेन के उत्पादन को धीमा करके यह इंजेक्शन करीब छह महीने तक ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रख सकती है।मिड-स्टेज अच्छे नतीजों के बाद अब ये फेज 3 ट्रायल्स में है।

लगातार हिचकियां आना सामान्य घटनाक्रम नहीं

लगातार आने वाली हिचकियां देती है आपको संकेत इसकी मूल वजह जानकर हैरान रह जाएंगे आप

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि डायाफ्राम की बार-बार होने वाली ऐंठन या अचानक होने वाली किसी समस्या के कारण आपको हिचकी आती है। डायाफ्राम वो मांसपेशी है जो आपकी छाती को पेट से अलग करती है।

आप भी कभी न कभी हिचकियों से जरूर परेशान रहे होंगे। आमतौर पर मान लिया जाता है कि जब कोई आपको याद कर रहा होता है तो हिचकियां आती हैं, पर क्या इस मान्यता को मेडिकल साइंस भी पुष्टि देता है? या फिर हिचकी आना किसी बीमारी का संकेत है?

आम धारणाओं से इतर हिचकी आने की स्थिति को मेडिकल साइंस एक अलग तरीके से देखता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि डायाफ्राम में बार-बार होने वाली ऐंठन या अचानक होने वाली किसी समस्या के कारण आपको हिचकी आती है। डायाफ्राम वो मांसपेशी है जो आपकी छाती को पेट से अलग करती है और सांस लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आपके डायाफ्राम में ऐंठन के कारण कई बार वोकल कॉर्ड अचानक बंद हो जाते हैं, जिससे ?हिच? ध्वनि उत्पन्न होती है। ये तो इसका एक कारण है ही साथ ही कई बार अधिक भोजन करने,

शराब या कार्बोनेटेड पेय पीने या अचानक किसी उत्तेजना के कारण भी आपको हिचकी आ सकती है। कुछ मामलों में, हिचकी किसी अंतर्निहित चिकित्सा समस्या का संकेत हो सकती है।

क्यों आती है हिचकी?

ज्यादातर लोगों में हिचकी केवल कुछ मिनटों तक ही रहती है और खुद से ही चली जाती है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं अगर आपको लंबे समय तक हिचकी की दिक्कत बनी रहती है और ये ठीक न हो रही हो तो इस बारे में डॉक्टर से संपर्क जरूर कर लेना चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कई बार ज्यादा मसालेदार या गर्म भोजन करने से पेट में जलन और डायाफ्राम में ऐंठन हो सकती है जिसके कारण भी आपको हिचकी आती है। इसके अलावा अचानक तापमान में परिवर्तन, तनाव या घबराहट, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं भी हिचकी का कारण बन सकती हैं।

कहीं ये किसी गंभीर बीमारी का संकेत तो नहीं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वैसे तो हिचकी आने को

कोई बीमारी नहीं माना जाता है हालांकि कुछ गंभीर स्थितियों में हिचकी को इसका एक लक्षण जरूर देखा गया है इसलिए लंबे समय तक बनी रहने वाली हिचकी को अनदेखा नहीं करना चाहिए।

लंबे समय तक हिचकी आने का एक कारण वेगस या फ्रेनिक तंत्रिकाओं में होने वाली कोई क्षति या जलन की दिक्कत हो सकती है। ये तंत्रिकाएं डायाफ्राम की मांसपेशियों को ठीक रखने के लिए जरूरी मानी जाती हैं। आपकी गर्दन में थायरॉयड ग्रंथि या किसी सिस्ट के कारण तंत्रिकाएं प्रभावित हो सकती हैं, जिसपर ध्यान देते रहना और इलाज प्राप्त करना जरूरी हो जाता है।

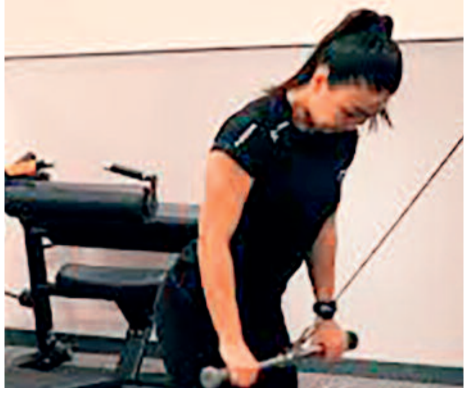

अपने बाजूओं को मजबूत बनाएं केबल पुश डाउन वर्कआउट से

अपनी बाजुओं को मजबूत करना लोगों का सपना होता है। आर्म्स का साइज बढ़ाने, इन्हें मजबूत और हैवी करने के लिए लोग एक्सरसाइज भी करते हैं। कुछ लोगों को बाइसेप्स और ट्राइसेप्स एक्सरसाइज करना भी पसंद होता है। पर्सनली बात करूं तो मुझे बाइसेप्स की एक्सरसाइज करना बिल्कुल पसंद नहीं है। इसलिए मैं हमेशा ट्राइसेप्स की एक्सरसाइज करना ही पसंद करता हूं। उनसे ही मेरे ट्राइसेप्स का साइज बढ़ गया है। ट्राइसेप्स की कई एक्सरसाइज हैं। जैसे, ट्राइसेप्स ओवरहेड एक्सटेंशन,स्कल क्रशर, टॉवेल पुलअप्स, बेंच डिप्स

इसी तरह ट्राइसेप्स की एक और अच्छी एक्सरसाइज का नाम है केबल पुश डाउन इसे करने से ट्राइसेप्स के मसल्स टोन होते हैं, ऑर्म के पीछे का फैट बर्न होता है और ट्राइसेप्स का शेप भी मिलता है। यहां आपको केबल पुश डाउन वर्कआउट / एक्सरसाइज क्या है, करने का सही तरीका, फायदे, सावधानी और गलतियों के बारे में विस्तार

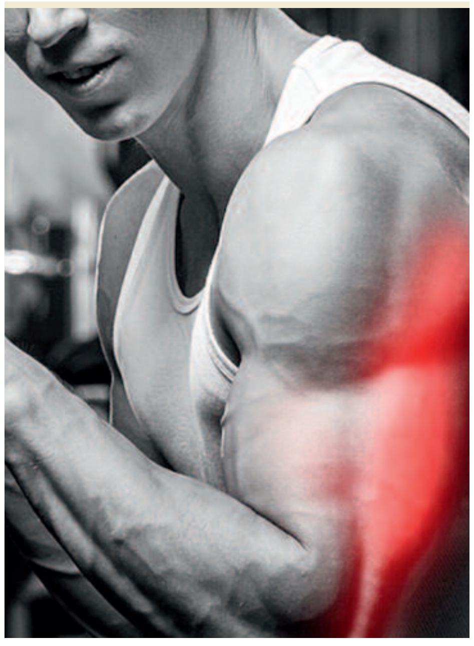

से जानकारी दी जा रही है।

केबल पुश डाउन एक्सरसाइज क्या है

ट्राइसेप्स केबल पुश डाउन एक्सरसाइज को पुशडाउन,केबल पुशडाउन, रोप पुशडाउन आदि नाम से भी जानते हैं। ट्राइसेप्स पुशडाउन कंपाउंड मोशन के बजाय एक आइसोलेशन एक्सरसाइज है। यह ट्राइसेप्स को टारगेट करने के लिए अच्छी एक्सरसाइज है। ट्राइसेप्स पुशडाउन एक्सरसाइज ट्राइसेप्स ब्राची मसल्स को टारगेट करती है, जो कि प्राइमरी मसल्स होता है। इसके अलावा यह मसल्स आपके लेट्स (लैटिसिमस डोर्सी), एब्स (रेक्टस एब्डोमिनिस), ऑब्लिक, पेक्स (पेक्टोरलिस मेजर और पेक्टोरलिस माइनर) और ट्रेप्स (ट्रेपीजियस) मसल्स को भी एक्टिव रखती है, जो कि सेकेंडरी मसल्स के रूप में काम करते हैं।

सी के नायुडु ट्रॉफी के मुकाबले मुफ्त में देख सकेंगे दर्शक

रायपुर। बी सी सी आई द्वारा मेंस अंडर 23 कर्नल सी के नायुडु ट्रॉफी 2025-26 का आयोजन 16 अक्टुबर से किया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम शानदार प्रदर्शन करते हुये क्वार्टर फायनल प्रवेश किया। छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त राजस्थान, मुंबई, महाराश्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, तमिलनाडु एवं झारखंड ने भी प्रतियोगिता के क्वार्टर फायनल में स्थान पक्का किया। छत्तीसगढ़ अंडर-23 टीम का क्वार्टर फायनल मैच 21 फरवरी से 24 फरवरी तक रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में राजस्थान के विरुद्ध खेला जाएगा। क्वार्टर फायनल मैच दर्शकों के लिये भी उपलब्ध होगा। इस हेतु रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में गेट नंबर 1 से दर्शक प्रवेश कर मैच का आंनद ले सकेगें। दर्शको का प्रवेश पूर्ण रुप से निःशुल्क होगा।

शाम ढलते ही करें ये काम, प्रसन्न होंगी मां लक्ष्मी और बढ़ेगी धन की आवक

यदि आप भी मां लक्ष्मी की कृपा पाना चाहते हैं तो शाम ढलने के बाद कुछ कार्य जरूर करें। शास्त्रों में सूर्योदय और सूर्यास्त के समय को बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है, क्योंकि यह दिन और रात का संधिकाल होता है। इस समय किए गए शुभ कार्य शीघ्र फलदायी माने जाते हैं।

तुलसी की पूजा

तुलसी के पौधे को बहुत ही शुभ माना जाता है। जिन घरों में नियमित तुलसी की पूजा होती है वहां देवी लक्ष्मी की कृपा रहती है, इसलिए शाम के समय तुलसी की पूजा करें और तुलसी के पेड़ के नीचे दीपक जलाएं। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होंगी और सुख समृद्धि का आशीर्वाद देंगी।

कपूर जलाकर पूजा करें

जब शाम ढल रही हो उस समय कपूर जलाकर सभी कमरों में घुमाना चाहिए। साथ ही जलते कपूर को घर के मुख्य द्वार पर रखना चाहिए। इससे घर में जैसी भी नकारात्मक उर्जा होती है चली जाती है और घर में सुख शांति और लक्ष्मी का वास होता है।

स्वर्गीय राजू देवी साहू स्मृति बैडमिंटन स्पर्धा

रायपुर। स्वर्गीय राजू देवी साहू स्मृति बैडमिंटन स्पर्धा रायपुर में संपन्न हुई। स्पर्धा का समापन एसबीआई के रिटायर्ड मैनेजर ज्ञान सिंह साहू के मुख्यआतिथ्य और डाइट रायपुर के प्राचार्य श्रीजुगल किशोर अग्रवाल की अध्यक्षता में हुआ। विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार प्रहलाद दमाहे, श्रीमती संगीता यादव, श्रीमती अर्चना पाठक, चंदूलाल टांडी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के एकल में ऋषभ शर्मा प्रथम, धर्मवीर रीति द्वितीय, गिरीश देवांगन और प्रीति धैर्य चंद्राकर चतुर्थ रहे। पुरुष युगल में विवेक वर्मा एवं प्रवीण की जोड़ी प्रथम छबि राम साहू एवं ऋषभ शर्मा की जोड़ी रीति गिरीश देवांगन एवं विनोद वर्मा की जोड़ी तृतीय, धर्मवीर वर्मा और ललित टंडन की जोड़ी चतुर्थी स्थान पर रहे। इसी प्रकार महिला वर्ग में वैष्णवी सामी प्रथम, अन्नपूर्णा वर्मा द्वितीय, ध्रुव गायत्री पटेल चतुर्थ, महिला युगल में अन्नपूर्णा वर्मा एवं वंदना बंजारे की जोड़ी प्रथम, खुशी कंवर एवं योगीता भूआर्य की जोड़ी द्वितीय वीणा ध्रुव एवं मुस्कान दुबे की जोड़ी तृतीय तथा गायत्री पटेल एवं अस्मिता यादव की जोड़ी चतुर्थ रही। समापन समारोह के अवसर पर भारतीय शिक्षा बोर्ड से डालचंद जैन अवंती विहार से सुरेंद्र बिसेन दिनेश पटेल अलग़र सामी एवं श्रीमती ज्योति वेद क्रीड़ा अधिकारी डाइट उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में चैलेंज कप के साथ-साथ 7000/ के नगद पुरस्कार दिया गया। प्रतियोगिता में 24 पुरुषों एवं 10 महिलाओं ने भाग लिया। इसमें 14 वर्ष से लेकर 68 साल के प्रतिभागी ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में डाइट, बीएड कॉलेज, एनसीईआरटी एनआईओएस तथा अवंती विहार के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के अंत में छबि राम साहू भारतीय शिक्षा बोर्ड के प्रदेश प्रभारी एवं रिटायर्ड सहायक प्राध्यापक ने सभी विजेताओं को बधाई दी। युवाओं को खेल के प्रति रुचि बनाए रखना के लिए लगातार अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। खिलाड़ियों को आशीर्वाद प्रदान किया।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

गैंग की 19 साल बाद वापसी, जॉर्ज का खुलासा- साथ लौटेंगे ब्रैड पिट

'ओशन्सर' फिल्मा फ्रेंचाइजी के फैंस के लिए खुशखबरी है। जॉर्ज क्लूनी ने खुलासा किया है कि वह सीरीज की चौथी फिल्म की तैयारी में हैं। एक बार फिर से ब्रैड पिट, मैट डेमन और जूलिया रॉबर्ट्स संग बाकी टीम लौटेगी। उन्होंने फिल्म के प्लॉट को लेकर भी हिंट दिया है।

जॉर्ज क्लूनी, ब्रैड पिट, मैट डेमन, जूलिया रॉबर्ट्स जैसे दिग्गज सितारों से सजी 'ओशन सीरीज' की तीनों फिल्में आज करीब दो दशक बाद भी दर्शकों की फेवरेट हैं। साल 2001 में आई 'ओशन्स 11', 2004 में रिलीज 'ओशंस 12' और 2007 में आई 'ओशंस 13', वो फिल्में साबित हुईं, जिन्होंने बड़े पर्दे हाइस्ट जॉनर को पॉपुलर बनाया। इन फिल्मों का असर सिर्फ हॉलीवुड में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में हुआ। आज भी दुनिया के किसी कोने में 'हाइस्टर' यानी लूट पर कोई फिल्म या सीरीज बनती है, तो उसमें 'ओशन सीरीज' का असर दिखता है। खुशखबरी यह है कि अब सुपरस्टार्स की फौज और शानदार चोरियों का दौर फिर से लौट रहा है। जी हां, फिल्म में लुटेरों की टीम के लीडर डैनी ओशन का किरदार निभाने वाले जॉर्ज क्लूनी ने इस ओर इशारा किया है। हाल ही ओटीटी पर 'जे केली' में शानदार अभिनय करने वाले 64 साल के जॉर्ज क्लूनी ने खुलासा किया है कि वह इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी में एक नई फिल्म में वापसी के लिए तैयार हैं। क्लूनी ने यह भी बताया कि नई फिल्म में ओरिजिनल कास्ट फिर से एकसाथ आएगी।

टॉलीवुड

'चेन्नई' सुन शरमाई मृणाल, फिर उड़ी धनुष संग डेटिंग की अफवाह

धनुष और मृणाल ठाकुर के बीच इश्क जैसा कुछ है या नहीं, इसको लेकर कोई पुख्ता जानकारी किसी के पास नहीं है। लेकिन दिलचस्प है कि गाहे-बगाहे इसको लेकर हर बार नए हिंट दिए जाते हैं। अब 'दो दीवाने सहर में' के प्रमोशन के दौरान 'चेन्नई' का जिक्र हुआ, सिद्धांत चुतर्वेदी ने चिढ़ाया और मृणाल शरमा गईं।

मृणाल ठाकुर और धनुष के बीच इश्क की अफवाहों को एक बार फिर हवा लगी है। बीते दिनों दोनों की शादी की अफवाहों ने भी खूब जोर पकड़ा था, लेकिन तब अलग-अलग रिपोर्ट्स में करीबियों के हवाले से दावा किया गया कि ऐसी खबरें फर्जी हैं। लेकिन अब एक बार फिर कुछ ऐसा हुआ है, जिसने फैंस को खिलखिलाने का मौका दिया है। मृणाल ठाकुर इन दिनों सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ अपनी नई फिल्म 'दो दीवाने शहर में' के प्रमोशन में बिजी हैं। एक हालिया इवेंट में सिद्धांत ने मृणाल को उनके 'चेन्नई कनेक्शन' को लेकर चिढ़ाया। इस पर एक्ट्रेस दबी जुबान में शरमाने लगीं। उनका चेहरा गुलाबी पड़ गया। अब सोशल मीडिया पर सब कह रहे हैं कि हो ना हो, धनुष और मृणाल के बीच कुछ तो है। धनुष और मृणाल की डेटिंग की चर्चा बीते साल अगस्त से ही चल रही है। खासकर 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर दोनों जिस तरह एक-दूसरे से मिले, उसके बाद इन अफवाहों को खूब पंख लगे। हालांकि, ऐश्विर्या रजनीकांत से तलाकशुदा धनुष के एक करीबी सूत्र के हवाले से साफ किया गया कि एक्टर दूसरी शादी करने का इरादा बिल्कुल नहीं रखते हैं। यह भी कहा गया कि वह अपने दोनों बेटों की परवरिश पर ध्यान दे रहे हैं। खैर, हाल ही में मृणाल और सिद्धांत अपनी आने वाली फिल्म 'दो दीवाने शहर में' के प्रमोशन के लिए निकले थे।

भोजपुरी

'सास बहू यमराज' का नया गाना रिलीज, आम्रपाली दिखीं 'सासु मां' को खुश करने का जतन करती

आम्रपाली दुबे जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'सास बहू यमराज' में नजर आनेवाली हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। आम्रपाली इसमें अपनी सास को मनाती हुई नजर आ रही हैं जिसमें पारिवारिक रिश्तों की मिठास और तकरार भी है। मेकर्स ने फिल्म का नया गाना 'सासुजी सुनीं' रिलीज कर दिया है। भोजपुरी दर्शकों को ये गाना काफी पसंद आ रहा है। अब वे फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। गाने में सास-बहू के बीच की नोकझोंक को मजेदार अंदाज में दिखाया गया है। आम्रपाली इसमें अपनी सास को मनाती हुई नजर आ रही हैं। गाने का माहौल हल्का-फुल्का और मनोरंजक है, जिसमें पारिवारिक रिश्तों की मिठास और तकरार को बखूबी से दर्शाया गया है।

आम्रपाली ने इस गाने की जानकारी इंस्टाग्राम पर शेयर की है। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर गाने का पोस्टर शेयर कर लिखा, 'सासुजी सुनीं रिलीज हो चुका है।' इस गाने को अल्का झा ने अपनी मधुर आवाज में गाया है, जबकि इसके लिरिक्स धरम हिंदुस्तानी ने लिखे हैं और ओम झा ने म्यूजिक तैयार किया है। संजय श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित फिल्म के निर्माता रोशन सिंह हैं। इसमें आम्रपाली दुबे और विक्रांत सिंह के अलावा समर्थ चतुर्वेदी, अयाज खान, श्रद्धा नवल, विद्या सिंह, साहिल सिद्दीकी, रितु चौहान और अवधेश मुखिया सहित कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

एआई का असर

लाइफ स्टाइल

2026 में फैशन सिर्फ कपड़ों के बारे में नहीं है। बल्कि यह पहचान, टेक्नोलॉजी, सस्टेनेबिलिटी और आराम को एक साथ लाना है। एआई में तेज़ी से हो रहे इनोवेशन, बढ़ती पर्यावरणीय जागरूकता और बदलती लाइफस्टाइल की ज़रूरतों के साथ, फैशन ट्रेंड्स अब नए मुद्दों पर असर डालते हैं। यह बताते हैं कि लोग खुद को कैसे एक्सप्रेस करते हैं, स्मार्ट तरीके से शॉपिंग करते हैं और अपनी वैल्यूज़ को अपनी वॉर्डरोब के साथ कैसे जोड़ते हैं। अपडेटेड रहने से लोगों और ब्रांड्स को तेज़ी से बदलते ग्लोबल और इंडियन फैशन इकोसिस्टम में प्रासंगिक बने रहने में मदद मिलती है।

ग्लिसरीन को ऐसे इस्तेमाल करें तो त्वचा को फायदे ही फायदे

इस मौसम में कभी ठंड तो कभी गर्मी है। बदलते इस मौसम का सीधा प्रभाव लोगों की त्वचा पर पड़ने लगा है। इस बदलते मौसम में अपनी त्वचा का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसी चीज के बारे में बताएंगे, जिसका इस्तेमाल आप त्वचा का ध्यान रखने के लिए कर सकते हैं। हम बात कर रहे हैं ग्लिसरीन की, जिसके इस्तेमाल से आपकी त्वचा काफी ग्लोइंग हो जाएगी।

अगर आप अपने चेहरे पर सीधा ऐसे ही ग्लिसरीन का इस्तेमाल करेंगे तो इसका ज्यादा कुछ असर देखने को नहीं मिलेगा लेकिन अगर आप कुछ चीजों को इसके साथ मिलाकर चेहरे पर लगाएंगे तो असर कुछ दिन में दिखने लगेगा। आज के इस लेख में हम आपको ऐसी 5 चीजों के बारे में बताएंगे, जिनका इस्तेमाल आप ग्लिसरीन में मिलाकर कर सकते हैं। आइए देर ना करते हुए आपको इन चीजों के बारे में बताते हैं। अगर आपकी त्वचा काफी रूखी है तो ग्लिसरीन में गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा की नमी बरकरार रहेगी और साथ ही में चेहरा भी ग्लो करेगा। अगर आप चेहरे पर होने वाले पिंपल्स के दाग-धब्बों से छुटकारा पाना चाहते हैं तो मुल्तानी मिट्टी और ग्लिसरीन को मिलाकर चेहरे पर लगा सकते हैं। इस पैक को कुछ समय चेहरे पर लगाएं और फिर चेहरे को अच्छे से साफ कर लें। अगर आप पिगमेंटेशन से परेशान हैं तो ग्लिसरीन के साथ शहद को मिलाकर लगाएं। एक्ने और पिंपल से छुटकारा पाने के लिए भी आप इस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप स्किन पर खुजली और लालिमा से परेशान हैं तो ग्लिसरीन में नींबू का रस मिलाकर त्वचा पर लगाएं। इसके इस्तेमाल से आपका चेहरा ग्लो करेगा। ग्लिसरीन आपको बाजार में आसानी से उपलब्ध हो जाएगा। रोजाना इसके इस्तेमाल से आपको कई फायदे मिलते हैं। ग्लिसरीन का इस्तेमाल करके आप न सिर्फ त्वचा की नमी बरकरार रख सकते हैं बल्कि पिंपल, एक्ने और दाग-धब्बों की समस्या से भी राहत पा सकते हैं।

लंबी दिखने की ख्वाहिश पूरी करनी है तो ऐसे पहनें साड़ी

साड़ी लुक हर लड़की पर अच्छा लगता है अगर सलीके से साड़ी को पहना गया हो। हालांकि अधिकतर लड़कियां चाह कर भी साड़ी इसलिए नहीं पहनती क्योंकि साड़ी में उनकी हाइट कम लगती है या साड़ी में मोटा लुक आता है। उन्हें लगता है कि साड़ी उनपर अच्छी नहीं लगेगी। इसी वजह से वह साड़ी पहनने में हिचकती हैं। इसके अलावा लड़कियों की ये शिकायत होती है कि साड़ी में उनका लुक मोटा दिखता है। साड़ी में अधिक वजन और चर्बी नजर आने के कारण लड़कियां चाह कर भी साड़ी पहनने से बचती हैं। अगर आप भी साड़ी में खुद की लंबाई कम महसूस करती हैं या साड़ी में अधिक मोटी नजर आती हैं तो जान लीजिए कुछ आसान से स्टाइलिंग टिप्स, जो आपके साड़ी लुक को परफेक्ट बना देंगे। अगर आप फेस्टिवल में साड़ी कैरी करना चाहती हैं और अपने साड़ी लुक में अधिक हाइट या पतला दिखना चाहती हैं तो आजमाएं ये टिप्स।

साड़ी नाभि के ऊपर से न पहनें

साड़ी पहनते समय ध्यान रखें कि उसे नाभि से थोड़ा नीचे बांधे। नाभि के ऊपर से साड़ी बांधने से आपका लुक थोड़ा मोटा दिखता है। कमर के नीचे का लगभग सबका भाग बराबर ही होता है। इसलिए साड़ी पहनते समय ये आसान सा ट्रिक आपके साड़ी लुक को पतला दिखाने में मदद कर सकता है।

वर्टिकल लाइन में बनी डिजाइन वाली साड़ी पहनें

साड़ी में हाइट ज्यादा दिखाना चाहती हैं तो ऐसी साड़ियां पहनें जिसमें ऊपर से नीचे लंबी धारी वाली डिजाइन हों, इनमें आपकी हाइट ज्यादा लगती हैं। वहीं अगर साड़ी का डिजाइन चौड़ाई में बनी लाइन वाला हो तो ऐसी साड़ी को पहनने से बचे। इस तरह की साड़ी में आपकी हाइट तो कम लगती ही है, आप अधिक चौड़ी या मोटी भी लगती हैं।

क्लासी लुक के लिए ऑफिस में पहनें ये खास इयररिंग्स

ऑफिस जाने के लिए जिस तरीके से हम अपने आउटफिट का खास ध्यान रखते हैं वैसे ही हम एक्सेसरीज कौन सी स्टाइल करें। इसके बारे में भी हमेशा सोचते रहते हैं। कई बार ऐसे आउटफिट में ऑफिस में वियर करते हैं जिनके साथ समझ नहीं आता कि कौन से इयररिंग्स को स्टाइल करें ताकि खूबसूरत नजर आएं। ऐसे में आप यहां से इयररिंग्स डिजाइन का ऑप्शन सर्च कर सकती हैं ताकि लुक भी क्लासी लगे और आप इन्हें स्टाइल करके कम्फर्टेबल फील कर सके।

हार्ट शेप स्टड इयररिंग्स

अगर आपको स्टड इयररिंग्स पहनना पसंद है तो इसके लिए आप हार्ट शेप वाले ऑप्शन को ट्राई कर सकती हैं। इस तरीके के इयररिंग्स दिखने में छोटे होते हैं लेकिन पहनने में काफी क्लासी लगते हैं। इसे आप आसानी से ऑफिस में स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आपको अलग-अलग तरीके के डिजाइन और ऑप्शन मिल जाएंगे। इन्हें स्टाइल करना आप इसलिए भी पसंद करेंगी, क्योंकि ये हर एक आउटफिट के साथ अच्छे से स्टाइल हो जाते हैं। इसे आप शर्ट पैंट, ड्रेस या फिर जींस टॉप के साथ भी पहन सकती हैं। इस तरीके के इयररिंग्स आपको 250 से 300 की रेंज में मिल जाएंगे।

हूप्स इयररिंग्स

मार्केट में आपको अलग-अलग तरह के हूप्स इयररिंग्स के ऑप्शन मिल जाएंगे। जिसे आप ऑफिस वियर ड्रेस (ऑफिस में स्टाइल करें ये आउटफिट) के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आपको स्टोन वर्क हूप्स, सिंपल हूप्स, जिकजैक हूप्स वैगरह जैसे और भी ऑप्शन मिल जाएंगे।

लिप लाइनर की मदद से आप संवार सकती हैं अपना चेहरा

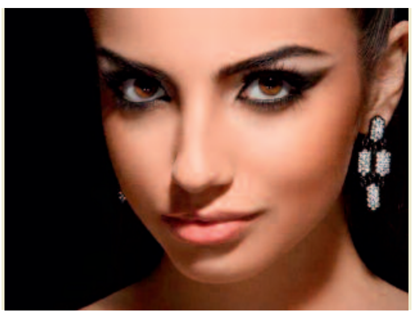

मेकअप डिफाइन लुक देने के लिए लिप लाइनर का इस्तेमाल किया जाता है। अमूमन महिलाएं अपनी लिपस्टिक के कलर के अनुसार लिप लाइनर का यूज करती हैं। हालांकि, लिप लाइनर एक बेहद ही वर्सेटाइल ब्यूटी प्रोडक्ट है और एक ब्यूटी बफ गर्ल अगर चाहे तो इसे अपने मेकअप में कई तरीकों से यूज कर सकती है। एक लिप लाइनर पेंसिल की मदद से आप अपना पूरा फेस मेकअप कर सकती हैं। बस जरूरत है कि आप इसे अलग-अलग तरीकों से यूज करने के तरीके के बारे में जानें। सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट और स्किन केयर एक्सपर्ट रिया वशिष्ट लिप लाइनर को मेकअप में अलग-अलग तरीकों से यूज करने के कुछ अमेजिंग आइडियाज दे रही हैं-

लिप लाइनर को बनाएं आई लाइनर

अगर आप एक लाइट मेकअप लुक कैरी करना चाहती हैं तो ऐसे में आप अपनी पसंद की लिप लाइनर शेड को बतौर आई लाइनर आइज पर लगा सकती हैं। आप इसे सिंपल लुक में भी अप्लाई कर सकती हैं। इसके अलावा, लिप लाइनर से कई अलग-अलग आईलाइनर लुक भी क्रिएट किए जा सकते हैं। मसलन, आप ब्लैक आईशैडो से आईलैशेज के ठीक उपर एक थिन लाइन बनाएं। अब अपनी पसंद के लिप लाइनर को इसके ठीक उपर लाइनर की तरह लगाएं। अब ब्रश की मदद लिप लाइनर को स्मज कर दें। आप दो से तीन शेड से आईलाइनर लगाया जा सकता है।

लिप लाइनर को बनाएं आईशैडो

लिप लाइन को बतौर आईशैडो भी यूज किया जा सकता है। इसके लिए आप अपने आउटफिट या लुक के अनुसार लिप लाइनर को सलेक्ट करें। आप अपने आईमेकअप के साथ प्ले करने के लिए दो या तीन कलर के लिप लाइनर को आइज पर अप्लाई करें। इसके बाद, आप आईशैडो ब्रश की मदद से इसे अच्छी तरह ब्लेंड करें और एक स्मूद फिनिश लुक पाएं।

कार्नर न्यूज

सिंपल ब्लाउज डिजाइन की जगह कुछ यूनिक डिजाइन ट्राई कीजिए

स्टाइलिश लुक के लिए साड़ी के साथ ट्राई करें बैक डोरी ब्लाउज डिजाइन, महफिल की बन जाएंगी शान

साड़ी पहनना हर लड़की को पसंद होता है। लेकिन उसके साथ सिर्फ सेम डिजाइन का ब्लाउज पहनकर आप बोर हो गई होंगी। ऐसे में आपका भी मन होता होगा कुछ नए डिजाइन ट्राई करने का। इसके लिए आप डोरी वाले ब्लाउज डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। ये ब्लाउज भी साड़ी के साथ काफी अच्छे लगते हैं। इनकी खास बात ये होती है कि ये सिंपल साड़ी लुक को भी स्टाइलिश बना देते हैं। अगर आपको बैक डोरी वाले ब्लाउज पसंद है तो ये डिजाइन आपको काफी अच्छे लगेंगे।

डोरी विद बो ब्लाउज डिजाइन

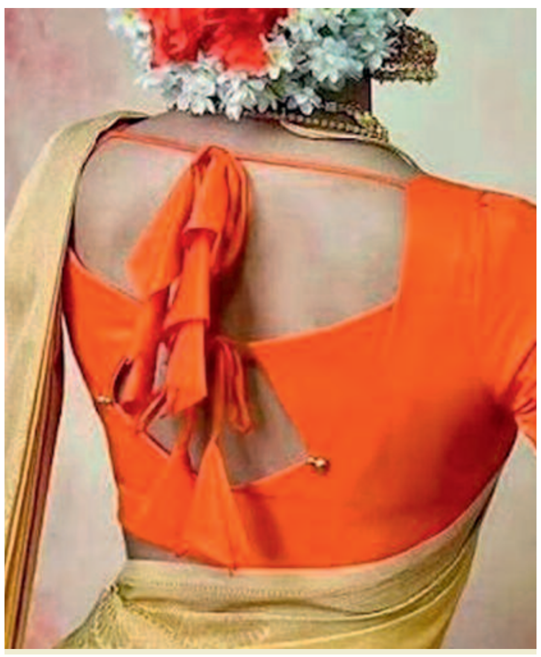

अगर आप एक ही तरह के ब्लाउज डिजाइन पहनकर बोर हो गई हैं तो इस बार ट्राई करें डोरी विद बो ब्लाउज डिजाइन। इस तरीके के ब्लाउज काफी क्लासी लुक देते हैं। इसमें बैक डीप होती है साथ ही ऊपर बाजू के पास और नीचे कमर पर डोरी लगाई जाती है। इससे ब्लाउज और ज्यादा अच्छा लगने लगता है। इसका जो बो नीचे की तरफ बनाया जाता है वो थोड़ा चौड़ा होता है और ऊपर की डोरी पतली रखी जाती है। इस तरीके के डोरी डिजाइन वाले ब्लाउज सिल्क साड़ी के साथ काफी अच्छे लगते हैं।

लेयर डोरी ब्लाउज डिजाइन

बिना डीप रखे अगर आपको अपने ब्लाउज डिजाइन को खूबसूरत दिखाना है तो इसके लिए आप लेयर डोरी ब्लाउज डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। इस तरीके के ब्लाउज में आपको पीछे के नेकलाइन को डीप नहीं रखना पड़ेगा। बस आपको इसके लिए लेयर डोरी बनानी होगी। इसके लिए आपको एक ट्रायंगल बनाना है फिर दूसरा बनाना है इसके बाद तीसरा ट्राई एंगल बनाकर इसे डोरी के साथ चिपका देना है। ऐसे आपका लेयर डोरी डिजाइन ब्लाउज रेडी हो जाएगा।

सिंपल डोरी ब्लाउज डिजाइन

कई सारी लड़कियां होती हैं जिन्हें डीप नेकलाइन वाले ब्लाउज पसंद होते हैं। अगर आप भी इसी तरीके के ब्लाउज (डोरी ब्लाउज डिजाइन आइडिया) को पहनना पसंद करती हैं, तो इसके लिए आप सिंपल डोरी वाले ब्लाउज डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। इसमें सिंपल नीचे एक डोरी होती है जिसमें ट्रायंगल करके टेस्ल का डिजाइन बना होता है। आप चाहे तो इसमें हैवी वर्क वाले टेस्ल को भी लगवा सकती हैं। ये डिजाइन सबसे ज्यादा अच्छे शिफॉन की साड़ी के साथ लगते हैं। आप चाहे तो इसके साथ पर्ल वाली डोरी भी लगवा सकती हैं।